राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार 4 नवम्बर 2020 वर्ष-3, अंक -279 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रेरा के साथ उपभोक्ता अदालत भी जा सकते हैं फ्लैट खरीदार

नई दिल्ली। रियल एस्टेट परियोजनाओं से परेशान उपभोक्ताओं के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में स्पष्ट किया है कि एक उपभोक्ता अदालत को परियोजना को पूरा करने में देरी और उपभोक्ता को निर्धारित समय में कब्जा नहीं देने के मसले पर मुआवजे का आदेश जारी करने का अधिकार है। रेरा एक्ट उपभोक्ता अदालत में शिकायत दर्ज करने से प्रतिबंधित नहीं करता। अगर? रियल एस्टेट डेवलपर समय पर परियोजना पूरी नहीं करता और उपभोक्ता को परेशानी का सामना करना पड़ता है यो यह विषय उपभोक्ता अदालत के दायरे का है। कोर्ट ने बिल्डर का तर्क ठुकरा दिया कि फ्लैट बायर और बिल्डर के बीच का यह मामला रेरा कानून के तहत उठाया जाना चाहिए था। उसका कहना था कि रेरा एक्ट बनने के बाद से बिल्डर से संबंधित मामले उपभोक्ता संरक्षण कानून, 1986 के तहत नहीं लाए जा सकते। याचिका खारिज करने के साथ कोर्ट ने बिल्डर 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

टीके से पहले आ सकती है कोरोना की दवा, इलाज और बचाव दोनों में कारगर

नई दिल्ली। कोरोना के टीके से पहले सीएसआईआर द्वारा कोरोना की एक दवा के तैयार होने की संभावनाएं हैं, एमडबल्यू नाम की यह दवा दो चरणों के क्लिनिकल ट्रायल पूरे कर चुकी है और दवा नियामक ने इसे तीसरे चरण के परीक्षणों को मंजूरी प्रदान कर दी है। सीएसआईआर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. राम विश्वकर्मा ने कहा कि दो चरणों के नतीजे उत्साहजनक रहे हैं, जिन्हें दवा नियामक के सामने रखा गया था। इसके बाद तीसरे चरण की मंजूरी

मिल गई है। देश में करीब 300 लोगों पर यह परीक्षण जल्द आरंभ किए जाएंगे। एम्स, अपोलो समेत चुनिंदा अस्पतालों में इन परीक्षणों की तैयारी आरंभ की जा रही है। यदि तीसरे चरण के परीक्षण सफल रहते हैं तो अगले साल की पहली तिमाही में यह दवा भी बाजार में होगी। उन्होंने बताया कि दवा इम्यूनो थेरेपी के रूप में काम करेगी, जो उपचाराधीन मरीज को दी जा सकती है और स्वस्थ व्यक्ति को बचान के लिए दी जा सकती है। दूसरे चरण के परीक्षण में यह देखा गया है कि इसके सेवन से मरीज जल्द स्वस्थ हो रहे हैं। उनमें वायरस लोड तेजी से घट रहा है। उन्होंने कहा कि तीसरे चरण के परीक्षण एम्स सहित कई चुनिंदा अस्पतालों में होंगे। दूसरे चरण के परीक्षण 42 मरीजों पर हुए थे, लेकिन तीसरे चरण में 300 लोगों पर परीक्षण किए जाएंगे। यह दवा कुष्ठ रोग में पहले से इस्तेमाल हो रही है। सीएसआईआर ने इसे कोरोना के लिए रिपरपज किया है। एमडब्ल्यू यानी मायकोबैक्ट्रीयम डबल्यू शरीर में बाहरी संक्रमण के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता पैदा करती है। कोविड-19 संक्रमण में साइटोकाइंस की अति सक्रियता देखी गई है। वह नुकसानदायक होती है। साइटोकाइंस प्रतिरक्षा कोशिकाओं द्वारा उत्पन्न की जाने वाली प्रोटीन हैं। कई कोशिकाएं इन्हें पैदा करती हैं। इनकी मौजूदगी शरीर में प्रतिरोधक तंत्र को सक्रिया और नियंत्रित रखती है।

मौसम के रुख में बदलाव के संकेत, पिछले 45 साल में मानसून 28 बार देरी से वापस गया

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले 45 साल में मानसून देश से 28 बार देरी से वापस गया है जिससे मौसम के रुख में बदलाव का संकेत मिलता है। वर्ष 1975 से लेकर 2020 तक चार बार (1978, 1979, 2001 और 2008) मानसून देश से 15 अक्टूबर को वापस गया है जो पिछले साल तक इसके वापस जाने की सामान्य नियत तारीख थी। केरल में मानसून पहुंचने की सामान्य तारीख एक जून है। इस साल से मानसून के संशोधित कार्यक्रम के अनुसार सामान्य तौर पर यह पूरे देश में आठ जुलाई तक पहुंच जाता है। इस साल केरल में दक्षिण-पश्चिमी मानसून एक जून को पहुंचा और आठ जुलाई की सामान्य तिथि से 12 दिन पहले 26 जून तक पूरे देश में पहुंच गया। मानसून के वापस जाने में विलंब हुआ। यह पश्चिमी राजस्थान और पंजाब के कुछ हिस्सों से वापस जाने की सामान्य तारीख से 13 दिन के

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम राजीवन ने कहा, मानसून के देर से आने और देर से वापस जाने का चलन रहा है। यह बड़े पैमाने पर बहु-दशकीय घटनाक्रम की वजह से हो सकता है। हमारे पास मानसून का 60 साल का चक्र है, इसलिए यह उसका हिस्सा हो सकता है। मानसून के रुख में बदलाव आया है।

विलंब से 28 सितंबर को वापस चला गया। इसके वापस जाने की तारीख इस साल संशोधन के बाद 17 सितंबर कर दी गई है। पूर्व में यह तारीख एक सितंबर थी। शेष देश से मानसून वापसी की सामान्य तिथि से 13 दिन बाद 28 अक्टूबर को वापस चला गया। पूर्व में मानसून के वापस जाने की सामान्य तारीख 15 अक्टूबर थी जिसे अब संशोधित कर 17 अक्टूबर कर दिया गया है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम राजीवन ने कहा, मानसून के देर से आने और देर से वापस जाने का चलन रहा है। यह बड़े पैमाने पर बहु-दशकीय घटनाक्रम की वजह से हो सकता है। हमारे पास मानसून का 60 साल का चक्र है, इसलिए यह उसका हिस्सा हो सकता है। मानसून के रुख में बदलाव आया है। वैज्ञानिक के रूप में मानसून का पिछले 35 साल से अध्ययन करते रहे राजीवन ने कहा, यह उसका हिस्सा हो सकता है या यह जलवायु परिवर्तन की वजह से हो सकता है। हम इसके बिलकुल सही कारण के बारे में सुनिश्चित नहीं हैं। हमें यह समझने के लिए विस्तृत अध्ययन की आवश्यकता है। स्काईमेट वेदर के उपाध्यक्ष महेश पालावत ने कहा कि यह ग्लोबल वार्मिंग की वजह से हो सकता है।

दिल्ली-NCR में दिवाली में पटाखों पर रहेगा बैन? NGT ने पर्यावरण और वन मंत्रालय, CPCB से मांगा जवाब

नई दिल्ली। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की ओर से पूछे गए सवाल का जवाब यदि मोदी सरकार, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और चार राज्य सरकारों की ओर से हां में दिया जाता है तो हो सकता है कि इस बार दिल्ली-एनसीआर में आतिशबाजी पर बैन रहे। NGT ने पर्यावरण और वन मंत्रालय के अलावा CPCB और अन्य से पूछा कि क्या जनस्वास्थ्य और पर्यावरण के हित में 7 से 30 नवंबर के बीच आतिशबाजी के प्रयोग पर रोक लगा दी जाए? गौरतलब है कि दिवाली 14 नवंबर को है, जिस दिन जमकर आतिशबाजी का चलन है। एनजीटी प्रमुख जस्टिस एके गोयल की अगुआई वाली बेंच ने केंद्रीय पर्यावरण और वन मंत्रालय, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति, दिल्ली के पुलिस कमिश्नर के अलावा दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान सरकार से जवाब मांगा है। NGT ने वरिष्ठ वकील राज पंजवानी और वकील शिभानी घोष को न्याय मित्र घोषित किया है। बेंच इंडियन सोशल रिस्पान्सबिलिटी नेटवर्क की ओर से संतोष गुप्ता के जरिए दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें NCR में आतिशबाजी के इस्तेमाल से प्रदूषण के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी। कोविड-19 महामारी का हवाला देते हुए असंतोषजनक वायु गुणवत्ता रहने पर इसे लागू करने को कहा गया था। याचिका में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री के बयानों का हवाला भी दिया गया है, जिनमें कहा गया है कि त्योहारों के सीजन में वायु प्रदूषण की वजह से कोविड-19 केसों में इजाफा हो सकता है। याचिका में कहा गया है, प्रदूषण बढ़ने से कमजोर लोगों पर असर पड़ सकता है और मृत्यु दर में इजाफा हो सकता है। मौजूदा 5000 प्रतिदिन के मुकाबले दिल्ली में प्रतिदिन 15 हजार तक केस आ सकते हैं। ग्रीन पटाखे इसका समाधान नहीं है। धुआं गैस चैंबर जैसी हालत बना सकता है। दृश्यता कम हो जाएगी। लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो सकती है।

पीएम मोदी की मतदाताओं से अपील

भारी वोटिंग कर लोकतंत्र के त्योहार में हिस्सा लें

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव के चरण 2 के लिए और 10 राज्यों की 54 अन्य सीटों के लिए मतदान शुरू होने के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़ी संख्या में मतदाताओं को वोट डालने के लिए प्रोत्साहित किया। पीएम ने ट्वीट किया कि भारत में विभिन्न स्थानों पर उपचुनाव हो रहे हैं। मैं इन सीटों पर मतदान करने वालों से बड़ी संख्या में मतदान करने और लोकतंत्र के त्योहार को मजबूत करने का आग्रह करता हूं।

बिहार विधानसभा चुनाव भारत में कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप के बाद होने वाले पहले बड़े चुनाव हैं। पीएम मोदी ने मतदाताओं से सामाजिक दूरी का पालन करने और वोट डालने के दौरान फेस मास्क पहनने का आग्रह किया।

बिहार विधानसभा चुनाव भारत में कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप के बाद होने वाले पहले बड़े चुनाव हैं। पीएम मोदी ने मतदाताओं से सामाजिक दूरी का पालन करने और वोट डालने के दौरान फेस मास्क पहनने का आग्रह किया। पीएम ने एक अन्य ट्वीट में कहा- बिहार विधानसभा चुनावों में आज दूसरे चरण के लिए वोट डाले जाएंगे। सभी मतदाताओं से मेरी अपील है कि वे भारी संख्या में मतदान कर लोकतंत्र के इस उत्सव को सफल बनाएं।

पीएम ने एक अन्य ट्वीट में कहा-बिहार विधानसभा चुनावों में आज दूसरे चरण के लिए वोट डाले जाएंगे। सभी मतदाताओं से मेरी अपील है कि वे भारी संख्या में मतदान कर लोकतंत्र के इस उत्सव को सफल बनाएं। इस दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के साथ ही मास्क जरूर पहनें। बता दें कि बिहार में दूसरे चरण के तहत हो रहे 94 क्षेत्रों में मतदान के दौरान बेगूसराय,समस्तीपुर, मोतिहारी, दानापुर, नालंदा और छपरा में EVM खराब होने की सूचना। इस दौरान इन जगहों पर मतदान बाधित। आपको बता दें कि दूसरे चरण में 2 करोड़ 86,11,164 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इस चरण में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव, सरकार के चार मंत्रियों श्रवण कुमार, रामसेवक सिंह, नंदकिशोर यादव व राणा रणधीर सहित 1463 उम्मीदवार मैदान में है।

राज्यपाल व सीएम नीतीश ने डाले वोट, चिराग ने भी किया मतदान

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 94 विधानसभा सीटों पर मतदान हो रहा है। बिहार में राज्यपाल फागू चौहान, मुख्यमंत्री नीतीश, उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी एवं लोक जनशक्ति पार्टी सुप्रीमो चिराग पासवान सहित राजनेताओं व जनप्रतिनिधियों की वोटिंग का सिलसिला जारी है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित अनेक राजनेताओं ने मतदान की अपील की है।

जनप्रतिनिधियों ने डाले वोट, सिलसिला जारी-मतदान के दूसरे चरण में आज राजनेताओं व जनप्रतिनिधियों द्वारा मतदान का सिलसिला भी जारी है। सबसे पहले राज्यपाल फागू चौहान ने सुबह सात बजे पटना में राजभवन स्थित बूथ पर मतदान किया। उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी ने भी पटना के राजेंद्र नगर स्थित अपने बूथ पर वोट डाला। उधर, एलजेपी सुप्रीमो चिराग पासवान भी वोट डाल चुके हैं।

पीएम नरेंद्र मोदी ने की मतदान की अपील

मतदान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने ट्वीट में सभी मतदाताओं से भारी संख्या में मतदान कर लोकतंत्र के उत्सव को सफल बनाने की अपील की है। उन्होंने इस दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने तथा मास्क पहनने की भी अपील की है।

मतदान कर मजबूत बनाएं लोकतंत्र-शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट कर मतदाताओं से बिहार में शांति, समृद्धि और प्रगति बनाये रखने के लिए अधिक से अधिक संख्या में मतदान कर लोकतंत्र को मजबूत बनाने की अपील की है। उन्होंने लिखा है कि बिहारवासियों के बहुमूल्य वोट ही प्रदेश को लूट और अपराध के युग से निकाल कर विकास एवं सुशासन के पथ पर ले आए हैं। बिहार के राज्यपाल फागू चौहान एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी लोगों से लोकतंत्र के महापर्व में बड़ी संख्या में भागीदारी की अपील की है। उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी, एलजेपी अध्यक्ष चिराग पासवान, आरजेडी नेता तेजस्वी यादव सहित अन्य कई नेताओं ने भी मतदान की अपील की है। तेजस्वी यादव ने अच्छी शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य व कानून व्यवस्था के साथ विकसित बिहार के लिए मतदान करने की अपील की है। साथ ही नए दौर में नए बिहार के लिए बदलाव को जरूरी बताया है।

कोरोना-पूरे देश से उलटी है दिल्ली की चाल, पिछले 14 दिन में 45 प्रतिशत ज्यादा केस

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के अलावा देश में केवल एक और राज्य ऐसा है जहां पिछले दो हफ्तों में कोविड-19 के मामले बढ़े हैं। इन दो हफ्तों में केरल में सबसे ज्यादा नए मामले दर्ज हुए हैं। हालांकि वहां भी उससे पहले के 14 दिनों के मुकाबले इस बार केस घटे हैं। लेकिन दिल्ली और मिजोरम में इस दौरान कोरोना के केस बढ़ते चले गए। राष्ट्रीय स्तर पर 4 अक्टूबर से 18 अक्टूबर के बीच 9,11,758 केस आए थे जो उसके बाद के दो हफ्तों में घटकर 6,35,963 रह गए।

ट्रेंड से उलट चल रहे दिल्ली और मिजोरम

देश के बाकी राज्यों में जहां मामले घट रहे हैं, दिल्ली और मिजोरम में बढ़ रहे हैं। दिल्ली में पिछले दो हफ्तों के भीतर 59,199 नए मामले दर्ज किए गए हैं। राष्ट्रीय स्तर पर देखें तो यह आंकड़ा देश में तीसर नंबर पर है। 4 अक्टूबर से 18 अक्टूबर के बीच आए मामलों से तुलना पर पता चलता है कि पिछले दो हफ्तों में 45त्न केस बढ़ गए हैं, तब 40,611 नए मामले दर्ज किए गए थे। मिजोरम की स्थिति उतनी खराब नहीं है। वहां पिछले चार हफ्तों का डेटा दिखाता है कि दो हफ्तों पर केसेज का अंतर केवल 370 है।

पॉजिटिविटी रेट 11 प्रतिशत के करीब

दिल्ली में 4,001 नए मामले दर्ज किए। पिछले कुछ दिनों में केसेज खासी तेजी से बढ़े हैं। रविवार को दिल्ली में 36,665 टेस्ट किए गए थे। यानी वहां पॉजिटिविटी रेट 10.91 प्रतिशत है। इससे पहले लगातार पांच दिन तक दिल्ली में 5,000 से ज्यादा केस आए। वह सिलसिला रविवार को थम गया था। राजधानी में अबतक 6,604 लोगों की मौत हुई है। वहां अब भी 33 हजार से ज्यादा सक्रिय मामले हैं।

पिछले दो हफ्तों में केरल से सबसे ज्यादा केस

महाराष्ट्र के अलावा केरल दूसरा ऐसा राज्य रहा जहां महामारी शुरू होने के बाद किन्हीं दो हफ्तों में सबसे ज्यादा केस आए। राज्य में पिछले दो हफ्तों के भीतर 93,249 नए मामले सामने आए हैं जो कि महाराष्ट्र में मिले 82,410 केसेज से भी ज्यादा हैं। हालांकि केरल में इससे पहले वाले दो हफ्तों में 1,11,953 नए मामले दर्ज हुए थे यानी पिछले दो हफ्ते में केस 17 प्रतिशत कम हो गए। महाराष्ट्र में यह गिरावट और ज्यादा रही। वहां पिछले दो हफ्तों में 44 फीसदी कम (1,47,712) केस दर्ज हुए।

भारत से वुहान पहुंचे विमान में मिले 19 कोरोना संक्रमित, 39 में मिली एंटीबॉडी

नई दिल्ली। नई दिल्ली से चीन के वुहान गई एक फ्लाइट में 19 यात्रियों के कोरोना संक्रमित होने की खबर सामने आई है. यह फ्लाइट वंदे भारत मिशन के तहत नई दिल्ली से वुहान गई थी. वहीं दूसरी ओर भारत ने सोमवार को चीन के लिए ऐसी चार और फ्लाइट की घोषणा की है. चीन के लिए ये नई फ्लाइटें 13 नवंबर से शुरू होंगी.

30 अक्टूबर को भारत से चीन के वुहान के लिए उड़ान भरने वाली वंदे भारत मिशन की एअर इंडिया की फ्लाइट में 19 यात्री चीन के वुहान एयरपोर्ट पर कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं. 30 अक्टूबर को वुहान गई फ्लाइट हाल के महीनों में भारत से चीन गई छठवीं फ्लाइट थी जबकि वुहान के लिए पहली, जहां वायरस पिछले साल दिसंबर में उभरा था. इस फ्लाइट में 277 भारतीय नई दिल्ली से वुहान गए थे और भारत के मेगा मिशन के तहत

157 भारतीयों को वहां से वापस लाया गया.

पीटीआई की खबर के मुताबिक बीजिंग में भारतीय दूतावास ने घोषणा की है कि वंदे भारत मिशन के तहत ही एअर इंडिया 13 नवंबर, 20, 27 और 4 दिसंबर को दिल्ली के लिए चार उड़ानों को संचालित करने की योजना बना रही है। बता दें कोरोना वायरस महामारी की शुरुआत चीन के वुहान से ही हुई थी. कोविड-19 के प्रकोप के चलते भारत ने मार्च में सभी अंतर्राष्ट्रीय फ्लाइट्स पर रोक लगा दी थी. इसके बाद भारत ने मई में वंदे भारत मिशन की शुरुआत की थी जिसके तहत विदेशों में फंसे भारतीयों को लाने के लिए विशेष फ्लाइट्स का संचालन शुरू किया गया. इस मिशन के तहत अब तक 20 लाख से ज्यादा भारतीयों को वापस लाया जा चुका है। भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने कहा कि 19 भारतीयों के अलावा, जो कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं, 39 अन्य लोगों के परीक्षणों में एंटीबॉडी भी पाई गई है. फ्लाइट में सवार होने से पहले सभी भारतीय यात्रियों को दो कोरोनो वायरस परीक्षणों से गुजरना पड़ा। भारतीय अधिकारियों ने कहा कि जिन यात्रियों की टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आई हैं उन्हें अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया गया. हालांकि वे 39 अन्य लोगों के बारे में जानकारी प्रदान करने में सक्षम नहीं थे जिनके टेस्ट में एंटीबॉडी की जानकारी सामने आई थी.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कारखानों से अच्छी खबर

बुरी खबरों का अभी अंत नहीं हुआ। खासकर कोरोना वायरस संक्रमण से जुड़ी खबरों ने फिलहाल थोड़ी राहत भले ही दी हो, लेकिन खतरा टला नहीं है, इसके संकेत भी साफ हैं। और जहां तक समाज व अर्थव्यवस्था पर पड़े इसके असर का मामला है, अभी इन सबसे उबरने में काफी वक्त लग सकता है, लेकिन अच्छी बात यह है कि नवंबर की शुरुआत शुभ समाचारों के साथ हुई है। पहले ही दिन खबर आई कि अक्तूबर का जीएसटी संग्रह एक लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो कि अर्थव्यवस्था के फिर से पटरी पर लौटने का सबसे बड़ा संकेत माना जा सकता है। सोमवार को जो खबर आई है, वह इससे भी ज्यादा राहत देने वाली है। फैक्टरी उत्पादन का हाल बताने वाला निक्कई परचेजिंग मैनेजर इंडेक्स अक्तूबर महीने में 58.9 पर पहुंच गया है। यह सितंबर महीने से दो अंक ज्यादा तो है ही, लेकिन इसके साथ ही, ज्यादा बड़ी खबर यह है कि अगर इस सूचकांक के हिसाब से देखें, तो यह पिछले एक दशक से भी ज्यादा समय का सबसे ऊंचा स्तर है। साथ ही, इंडेक्स का यह स्तर उस पृष्ठभूमि को देखते हुए भी महत्वपूर्ण है कि इस साल की पहली तिमाही में शून्य से लगभग 24 फीसदी नीचे तक गोता लगा गई थी और जिन क्षेत्रों ने इसमें बड़ी भूमिका निभाई थी, उनमें एक मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र भी था। वैसे अर्थव्यवस्था पटरी पर लौट रही है, इसके संकेत तो हमें सितंबर महीने से ही मिलने लग गए थे। अक्तूबर में तमाम तरह के आंकड़े यह बताने लग गए थे कि बाजार से हताशा के बादल अब छंटने लग गए हैं। खासकर ऑटोमोबाइल क्षेत्र के आंकड़े इतने बेहतर थे कि हैरान कर रहे थे। दुपहिया वाहनों और कारों की बिक्री खासी उम्मीद बंधा रही थी। हालांकि साथ ही, यह भी कहा जा रहा था कि इनकी बिक्री में बढ़त की एक वजह यह है कि सार्वजनिक परिवहन पर रोक और उसके खतरों के चलते लोगों के लिए अब अपने वाहन से यात्रा ही ज्यादा सुविधाजनक हो गया है। लेकिन जीएसटी का संग्रह जिस तरह से बढ़ा है, वह बताता है कि अक्तूबर महीने में कारोबार चौतरफा बढ़ा है। एक दूसरा संकेत मुद्रास्फीति भी दे रही है। यह ठीक है कि मुद्रास्फीति जिस तरह से बढ़ी है, वह अर्थव्यवस्था और खासकर गरीबों के लिए बहुत बुरी है, लेकिन वह यह तो बताती ही है कि बाजार में मांग बढ़ी है। जाहिर है, इसी मांग की आपूर्ति के लिए फैक्टरियों ने उत्पादन भी बढ़ाया है और यह अब सूचकांक से भी जाहिर है। हालांकि इस क्षेत्र की सारी समस्याएं खत्म हो गई हैं, ऐसा भी नहीं कहा जा सकता। एक तो अभी भी शायद ही यह क्षेत्र अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर पा रहा है। लॉकडाउन के दौरान बंद बहुत सी छोटी इकाइयां अभी भी नहीं खुल सकी हैं। इस क्षेत्र में बेरोजगार हो गए सभी लोगों को रोजगार मिल गया हो, ऐसा भी नहीं कहा जा सकता। लेकिन फिलहाल का सच यही है कि स्थितियां अब उतनी भी खराब नहीं हैं, जितनी पांच-छह महीने पहले लग रही थीं। कोरोना संक्रमण के सच को स्वीकार करते हुए देश ने आगे बढ़ना शुरू कर दिया है, लेकिन लंबा रास्ता अभी बाकी है। यह ठीक है कि अर्थव्यवस्था पटरी पर लौट आई है, लेकिन जरूरी है, उसका इन पटरियों पर रफ्तार पकड़कर मंजिल की ओर बढ़ना। हमारी सरकारों और वित्तीय संस्थाओं को अपने प्रयासों में कोई कमी नहीं छोड़नी चाहिए।

आज के ट्वीट

ढेर

भारत के प्रिय दोस्त फ्रांस ने एयर स्ट्राइक करके अलकायदा के 70 आतंकियों को ढेर कर दिया है।

पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

स्वायत्तता मिले राज्यों को जीएसटी में

भरत झुनझुनवाला

जीएसटी व्यवस्था लागू होने से पहले प्रत्येक राज्य सेल टैक्स की दरों को निर्धारित करने में स्वायत्त था। हर राज्य अपनी जरूरत के अनुसार सेल टैक्स वसूल करता था और अपने विवेक के अनुसार उसको खर्च करता था। यदि राज्य को खर्च अधिक करना हो तो उसके पास विकल्प होता था कि वह सेल टैक्स की दरों में वृद्धि कर अधिक राजस्व एकत्रित करे। दूसरी तरफ यदि राज्य उद्योगों को प्रोत्साहन देना चाहता था तो उसके पास विकल्प था कि सेल टैक्स की दरों को न्यून करे, जिससे कि दूसरे राज्यों से उद्योग अपने राज्य में स्थानांतरित हों। वर्तमान जीएसटी व्यवस्था ने राज्यों की इस स्वायत्तता को समाप्त कर दिया है। अब सभी माल पर जीएसटी की दर सभी राज्यों की सहमति से निर्धारित की जाती है और सभी माल पर एक ही दर से सम्पूर्ण देश में जीएसटी वसूल किया जाता है। यदि कोई राज्य अपनी जरूरत के अनुसार अधिक राजस्व एकत्रित करना चाहे अथवा अपनी नीतियों के अनुसार दूसरे राज्यों से उद्योगों को आने को प्रोत्साहन देना चाहे तो उसके पास ऐसा करने का कोई अवसर नहीं है। परिणाम यह है कि राज्यों के खर्च लगातार बढ़ते जा रहे हैं लेकिन उनकी आय नहीं बढ़ रही है। विशेषकर सरकारी कर्मियों के वेतन प्रति वर्ष बढ़ते जा रहे हैं, जिसको वहन कर पाना राज्य सरकारों के लिए सिरदर्द बना हुआ है। कोविड आक्रमण के पहले से ही देश की अर्थव्यवस्था मंद पड़ रही थी। कोविड ने आग में घी का काम किया है। इस समय राज्यों में भारी संकट पैदा हो गया है। वर्तमान में देश में कुल जीएसटी की वसूली सपाट है अथवा उसमें कुछ गिरावट ही आ रही है जबकि हर वर्ष कम से कम 14 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान था। अर्थात पिछले 2 वर्षों में जो जीएसटी की वसूली में 28 प्रतिशत की वृद्धि होनी थी, उसके स्थान पर गिरावट आई है। जीएसटी की वसूली कम होने के साथ-साथ केन्द्र सरकार पर राज्यों के राजस्व की हानि की भरपाई करने का बोझ भी बढ़ता जा रहा है। जीएसटी कानून में व्यवस्था है कि हर राज्य को उसकी सरहद में बेचे गये माल पर वसूल की गयी जीएसटी का हिस्सा दिया जायेगा। जैसे यदि राजस्थान का व्यापारी उत्तर प्रदेश में माल बेचता है तो उत्तर प्रदेश में उस माल की बिक्री पर वसूल की गयी जीएसटी में राज्य का हिस्सा उत्तर प्रदेश सरकार को दे दिया जाएगा। लेकिन जब पूरी अर्थव्यवस्था ही मंद पड़ रही है और कुल जीएसटी की वसूली ही सपाट है तो राज्यों का हिस्सा भी सपाट है जबकि उनके खर्च बढ़ते जा रहे हैं। कारण राज्यों पर संकट मंडरा रहा है। विशेषकर इसलिए कि केन्द्र सरकार ने आश्वासन दिया था कि 5 वर्षों तक राज्य सरकारों की आय में जो कमी आएगी, उसकी भरपाई केन्द्र सरकार के द्वारा की जायेगी। वर्तमान हालात को देखते हुए पांच वर्ष बाद 2022 में जब केन्द्र द्वारा यह सुविधा बंद कर दी जाएगी तब राज्यों के लिए भयंकर स्थिति पैदा होगी क्योंकि राज्यों की आय लगभग 50 से 70 प्रतिशत रह जायेगी जबकि उनके खर्च लगातार बढ़ते जायेंगे। इस परिस्थिति में राज्यों के लिए अपने कर्मियों को वेतन देना भी अति कठिन हो जाएगा और न्यूनतम सुविधाएं भी जैसे न्यायालय, सड़क, पानी आदि को भी उपलब्ध कराना असंभव हो जाएगा। इसके अलावा वर्तमान व्यवस्था में राज्य सरकारों के पास अपने खर्चों की गुणवत्ता में सुधार करने का भी प्रोत्साहन नहीं रह गया है। उनकी नजरें केंद्र सरकार से अधिकाधिक रकम प्राप्त करने पर टिकी हैं। वे अपने संसाधनों में वृद्धि कर राजस्व एकत्रित करने और अपने खर्चों में कटौती करने में रुचि नहीं ले रहे हैं। इस परिस्थिति में हमें तत्काल राज्यों को जीएसटी की दरों में स्वायत्तता देने पर विचार करना चाहिए। कनाडा हमारे देश की तरह ही बड़ा देश है और वहां तमाम राज्य हैं। कनाडा में भी जीएसटी व्यवस्था लागू है। लेकिन कनाडा में हर राज्य को जीएसटी की अपनी दर लागू करने का भी अधिकार है। एल्बर्टा राज्य में केवल 5 प्रतिशत केन्द्रीय अथवा फेडरल जीएसटी वसूल किया जाता है। ब्रिटिश कोलंबिया में 5 प्रतिशत फेडरल जीएसटी तथा 7 प्रतिशत राज्य जीएसटी वसूल किया जाता है। ओंटारियो राज्य में 13 प्रतिशत सम्मिलित जीएसटी वसूल किया जाता है, जिसमें 5 प्रतिशत हिस्सा केन्द्र का होता है। इन विभिन्न दरों के बावजूद कनाडा में एक राज्य से दूसरे राज्य को माल आसानी से जाता है और राज्यों की सरहद पर कोई जांच नहीं होती है। जीएसटी की संपूर्ण रकम केन्द्र सरकार के कोष में जमा की जाती है और केन्द्र सरकार के द्वारा बिलों के अनुसार उसे राज्यों में वितरित कर दिया जाता है। कनाडा में केवल जीएसटी ही नहीं बल्कि आयकर में भी विभिन्न दरें लागू करने की स्वायत्तता है। कनाडा में दो प्रकार के आयकर हैं। फेडरल आयकर 49 हजार तक की टैक्सेबल आय पर 15 प्रतिशत की दर से वसूल किया जाता है। इसके अतिरिक्त राज्यों द्वारा अलग-अलग दरों से आय कर वसूल किया जाता है। एल्बर्टा में 131 हजार डालर की टैक्सेबल आय पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त आयकर वसूल किया जाता है। ब्रिटिश कोलंबिया में 42 हजार डालर की टैक्सेबल आय पर 5 प्रतिशत अतिरिक्त आयकर वसूल किया जाता है। ओंटारियो में 45 हजार डालर की टैक्सेबल आय पर 5 प्रतिशत अतिरिक्त राज्य आयकर वसूल किया जाता है। इस प्रकार हर राज्य को स्वायत्तता है कि वह अपने विवेक के अनुसार अलग-अलग दरों से जीएसटी और आयकर दोनों वसूल कर सके। यदि कोई राज्य अतरिक्त राजस्व एकत्रित करना चाहता है तो वह जीएसटी अथवा आय कर की दरों में वृद्धि कर इस रकम को अर्जित कर सकता है, जिससे कि इसका उपयोग जनहित के लिए किया जा सके। हमें तत्काल जीएसटी की दरों को निर्धारित करने में राज्यों को स्वायत्तता देनी चाहिए क्योंकि इस स्वायत्तता से अन्तर्राज्यीय व्यापार में विघ्न पड़ना जरूरी नहीं है। हमारे देश में कंप्यूटर की विद्या का प्रचुर भंडार उपलब्ध है और यदि कनाडा में इस प्रकार की व्यवस्था बनाई जा सकती है तो भारत में भी अवश्य ही। साथ-साथ राज्यों को आयकर वसूल करने की छूट देनी चाहिए, जिससे हर राज्य को अपने विवेक के अनुसार टैक्स वसूल करने एवं उसे खर्च करने की छूट मिल सके। हालात को देखते हुए वर्तमान माडल में संशोधन की जरूरत है। तभी देश का संघीय ढांचा बचा रहेगा और देश की एकता बनी रहेगी।

लेखक आर्थिक मामलों के जानकार हैं।

ज्ञान गंगा

अनुभव

आचार्य रजनीश ओशो/ मैं एक आदमी को देखा जो ग्यारह वर्षो से खड़ा हुआ है। उनका नाम ही खड़ेश्री बाबा हो गया है। मैंने पूछा, लेकिन इस आदमी पर क्या मुसीबत आ पड़ी? यह खड़ा क्यूं हो गया? मेरे ड्राइवर एक सरदार जी थे, बड़े ज्ञानी थे। गाड़ी कम चलाते थे, जपुजी ज्यादा पढ़ते थे। बोले कि कुछ नहीं हुआ, इसकी पत्नी ने इससे कहां खड़े रहो और खुद किसी दूसरे पति के साथ भाग गयी। तब से यह बेचारा खड़ा है। अब कोई इसको बिठाए तो बैठे। धर्म धर्म है, उसका पालन तो करना ही पड़ता है। पत्नी किसी और को अभ्यास करवा रही होगी धर्म का, आध्यात्मिक का। यह बेचारा यही अभ्यास कर रहा है। खड़ा हुआ है। इमैन्युअल कांट के लिए मैं कोई आलोचना नहीं करता, लेकिन तुमसे मैं यह कहता हूं कि अगर तुम्हारे जीवन में कभी भी कोई प्रकाश की जरा सी भी किरण दिखाई पड़े, सुगंध की कोई जरा सी झोंक, तो वही दिशा है, वही मार्ग है। फिर हिम्मत करना, फिर रुकना मत। सोचने का काम बाद में कर लेंगे। और यह मेरा अनुभव है कि जो इस रास्ते पर बढ़े हैं, उन्होंने फिर सोचने की कोई जरूरत नहीं समझी। क्योंकि हर अनुभव और गहरा होता गया। हर अनुभव नई छलांग, नई चुनौती और नये परिवर्तन और नई-नई क्रांति पर ले जाता रहा। तो जो तुम्हें हो रहा है, बिल्कुल ठीक हो रहा है। सोचो मत। सोचने से रु क जाएगा। क्योंकि जीवन के सारे गहरे अनुभव हृदय से होते हैं, बुद्धि से नहीं होते। और सोचना बुद्धि से होता है। और बुद्धि और हृदय का कोई मेल नहीं बैठता तो बुद्धि तुम्हें पागल कहेगी कि यह क्या पागलपन है कि शरीर में झुरझुरी आ रही है। जाओ किसी डाक्टर को दिखाओ। यह क्या पागलपन है? कि अकेले बैठे-बैठे मुस्कुरा रहे हो। चलो, किसी मनोवैज्ञानिक को दिखा आओ। यह दुनिया बहुत अजीब है। यहां अगर तुम शांति से बैठकर कुछ भी नहीं कर रहे हो तो हर आदमी टोकेगा। क्यों जी, क्यों फिजूल बैठे हुए हो? शर्म नहीं आती? दुनिया मरी जा रही है और तुम बैठे हो। हजार काम करने को पड़े हैं और तुम बैठे हो। कोई जाकर एडोल्फ हिटलर को नहीं कहता कि तुम क्या कर रहे हो? छह करोड़ लोगों कि हत्या-लेकिन काम बड़ा कर रहा है। अगर तुम बैठे-बैठे गुनगुना रहे हो तो लोग कहेंगे कि जिंदगी बरबाद कर रहे हो। जैसे कि उन्हें जिंदगी मिल गई। बीड़ी पीओ! दम मारो दम! बैठे-बैठे मुस्कुरा रहे हो। किसी ने देख लिया तो नाहक बदनामी होगी।अंग्रेजी कहावत है, इट इज बैटर टू डू समथिंग दैन नथिंग।

‘धर्म’ को परिभाषित करने का प्रश्न

अनूप भटनागर

अल्लामा इकबाल के एक सुप्रसिद्ध गीत का एक मुखड़ा था, ‘मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर करना’ लेकिन आज देश और दुनिया के अधिकांश हिस्सों में किसी न किसी रूप में ‘धर्म’ को लेकर तनाव व्याप्त है। कहीं धार्मिक कट्टरता तो कहीं जरूरत से ज्यादा धार्मिक उदारता समस्या बन रही है। इसी धार्मिक कट्टरता और धर्मनिरपेक्षता के बीच चल रहे द्वंद्व के दौरान ही उच्चतम न्यायालय में हाल ही में एक मामला आया, जिसमें एक वयोवृद्ध नागरिक ने न्यायपालिका से संविधान में प्रयुक्त ‘धर्म’ शब्द को परिभाषित करने का अनुरोध किया था। इस वयोवृद्ध नागरिक का कहना था कि हमारे संविधान में धर्म और धार्मिक स्वतंत्रता के संबंध में कई प्रावधान हैं लेकिन इसमें कहीं भी ‘धर्म’ को परिभाषित नहीं किया गया है। हमारे देश के संविधान में प्रत्येक देशवासी को धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार प्राप्त है लेकिन ‘धर्म’ क्या है, इसे लेकर शायद ही किसी ने कभी कोई शंका व्यक्त की हो और इसके समाधान के लिए न्यायपालिका का दरवाजा खटखटाया हो। प्रधान न्यायाधीश एसए बोबडे की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष जब यह मामला आया तो 87 वर्षीय वयोवृद्ध याचिकाकर्ता रमेशचंद्र विट्ठलदास सेठ ने सांप्रदायिक तनाव के परिप्रेक्ष्य में ‘धर्म’ की परिभाषा के लिये अपनी समस्या और चिंता न्यायालय के विचारार्थ सामने रखी। इस वयोवृद्ध देशवासी का तर्क था कि अगर संविधान में प्रयुक्त शब्द ‘धर्म’ को परिभाषित कर दिया जाये तो देश में सांप्रदायिक तनाव कम हो सकता है और इससे शांति बहाल करने में काफी मदद मिल सकती है। यह एक ऐसा विषय था, जिसके बारे में शायद किसी ने सहज कल्पना नहीं थी और इसकी पुष्टि प्रधान न्यायाधीश के इस कथन से हुई कि उनके पास इस विषय पर विचार करने का अनुभव नहीं है और बेहतर होगा कि इस संबंध में केन्द्र सरकार के पास प्रतिवेदन दिया जाये। हालांकि, एएस नारायण बनाम आंध्र प्रदेश मामले में 1996 में उच्चतम न्यायालय ने अपनी व्यवस्था में कहा था कि ‘धर्म’ वह है जो व्यक्ति को ब्रह्मांड, उसके सृष्टा और सर्वोच्च सत्ता के साथ पाता है। न्यायालय ने कहा था कि ‘धर्म’ शब्द ‘धर्म में आस्था और विश्वास रखने वाले व्यक्ति का व्यक्तिगत मामला है।’ इसी तरह, इस्माइल फारूकी बनाम भारत संघ प्रकरण में 1994 में उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि पूजा करना धार्मिक कार्य का एक आवश्यक भाग है किंतु वह किसी स्थान या प्रत्येक स्थान पर पूजा करने का अधिकार शामिल नहीं करता है।

‘धर्म’ को परिभाषित करने के लिये न्यायालय का दरवाजा खटखटाने वाले रमेशचंद्र विट्ठलदास सेठ का कहना था कि उन्होंने अपने जीवन में 50 साल से ज्यादा समय लोगों को ‘धर्म’ की शिक्षा देने में लगाया है और धर्म का अध्ययन भी किया है। उनका कहना था कि देश के संविधान के कई अनुच्छेदों में ‘धर्म’ का उल्लेख है लेकिन इसमें कहीं भी धर्म को परिभाषित नहीं किया गया है, जिसकी वजह से अक्सर तनाव की स्थिति पैदा होती रहती है। दरअसल, हमारे संविधान के अनुच्छेद 15 के अनुसार किसी भी नागरिक के साथ मूलवंश, जाति, लिंग या जन्म स्थान के साथ ही धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता। यही नहीं, हमारे संविधान का अनुच्छेद 25 प्रत्येक नागरिक को समान रूप से अपने अंतःकरण की और धर्म के अबाध रूप से मानने, आचरण करने और प्रचार करने की स्वतंत्रता प्रदान करता है। इसी तरह, अनुच्छेद 26 नागरिकों को लोक व्यवस्था, सदाचार और स्वास्थ्य के अधीन रहते हुए धार्मिक संस्थाओं की स्थापना और उनके पोषण, अपने धर्म विषयक कार्यों का प्रबंध करने और ऐसी संपत्ति का कानून के अनुसार प्रबंधन करने का अधिकार प्रदान करता है। अनुच्छेद 27 के अनुसार किसी भी व्यक्ति को अपने किसी विशिष्ट धर्म की अभिवृद्धि के लिये खर्च की गयी राशि पर कर देने के लिये बाध्य नहीं किया जायेगा। संविधान का अनुच्छेद 28 शिक्षा संस्थाओं में धार्मिक शिक्षा या धार्मिक उपासना में उपस्थित होने की स्वतंत्रता प्रदान करता है लेकिन राज्य निधि से पूरी तरह पोषित किसी शिक्षा संस्था में कोई धार्मिक शिक्षा नहीं दी जायेगी। इस वयोवृद्ध नागरिक का विचार था कि अगर न्यायालय ‘धर्म’ को परिभाषित करेगा तो देश में कहीं भी सांप्रदायिक दंगे नहीं होंगे और अंततः इससे अमन-चैन कायम होगा। लेकिन विट्ठलदास को इसमें निराशा हाथ लगी क्योंकि न्यायपालिका ने ऐसा करने में असमर्थता व्यक्त की। न्यायालय ने रमेशचंद्र विट्ठलदास से कहा कि वह उनकी उम्र का सम्मान करता है लेकिन उस क्षेत्र में नहीं जा सकता, जिसका वह हकदार नहीं है। न्यायपालिका ने भले ही संविधान में प्रयुक्त ‘धर्म’ शब्द को परिभाषित करने से इंकार करते हुए जनहित याचिका खारिज कर दी है लेकिन उम्मीद की जानी चाहिए कि विभिन्न धर्मों के अनुयायी सर्वधर्म समभाव के सिद्धांत का पालन करके मानव समाज का कल्याण करेंगे।

आप इस समाचार के बारे में क्या विचार रखते हैं?

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। रक्तचाप या हृदय रोगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। टकराव की स्थिति आपके हित में न होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। वाणी की सौम्यता आवश्यक है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। धन हानि की संभावना है।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। विरोधियों का पराभव होगा।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। जारी प्रयास सार्थक होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

आसमान पर सब्जियों के दाम, सरकार की कोशिशों के बावजूद महंगाई की मार जारी

बिजनेस डेस्क: सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद फेस्टिव सीजन में आम आदमी पर महंगाई की मार जारी है। फेस्टिव सीजन में सब्जियों के भाव आसमान छू रहे हैं। पिछले एक महीने के दौरान आलू-प्याज और टमाटर की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया है। सरकार के प्याज के दाम को काबू में लाने के विभिन्न प्रयासों के बावजूद देश के कई राज्यों में आलू-प्याज के दाम में तेजी बनी हुई है। फेस्टिव सीजन की शुरुआत के साथ ही सब्जियों के भी भावों ने छलांग लगानी शुरू कर दी है। आलू-प्याज के भावों में कुछ समय की नरमी के बाद अब फिर से तेज हो गए हैं।

दीपावली तक कीमतों में राहत की उम्मीद

शहर की सब्जी मंडी में प्याज का खुदरा 70 से 100 रुपए प्रति किलोग्राम तक जा पहुंचा है, वहीं आलू के भी भाव कम होने की बजाय बढ़कर 40 से 50 रुपए प्रति किलो तक जा पहुंचे हैं। टमाटर भी 50 से 70 रुपए प्रति किलो की दर पर बिक रहा है। दीपावली तक कीमतों में राहत की उम्मीद कम ही नजर आ रही है। चिंता की बात यह है कि प्याज और आलू की कीमतें जनवरी तक स्थिर रहने की संभावना है।

थोक बाजार में आलू के दाम 108 प्रतिशत बढ़े

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले एक साल में थोक बाजार में आलू के दाम 108 प्रतिशत बढ़े हैं। साल भर पहले थोक में आलू 1,739 रुपए प्रति क्विंटल बिकता था, जबकि अब भाव 3,633 रुपए क्विंटल हो गया है। राजधानी दिल्ली में इस समय खुदरा में आलू 60 रुपए किलो के भाव से बिक रहा है। वहीं, मुंबई में भी करीब वही रेट है। इसके अलावा, कोलकाता में आलू 50-65 रुपए प्रति किलो के हिसाब से मिल रहा है। भोपाल में आलू का भाव 50-55 रुपए किलो पहुंच गया है। आलू और प्याज के अलावा लहसुन और अदरक भी महंगाई के ग्राफ में काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है। दिल्ली-एनसीआर में लहसुन 150-160 रुपए और अदरक 90-100 रुपए किलोग्राम के पार पहुंच गया है। वही, दिल्ली-एनसीआर के रिटेल मार्केट में टमाटर 50-60 रुपए प्रति किलोग्राम तक बिक रहा है। कुछ दिन पहले तक टमाटर 30 रुपए प्रति किलो के भाव पर मिल रहा था। देश में महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और कर्नाटक तीन प्रमुख प्याज उत्पादक राज्य हैं। इन राज्यों में इस साल भारी बारिश हुई है, जिसके कारण खरीफ फसल को काफी नुकसान हुआ है और देशभर आपूर्ति प्रभावित हुई है। यही वजह है कि पिछले कुछ सप्ताह से प्याज की कीमत ऊंची बनी हुई है। सरकार प्याज-आलू की बढ़ती कीमतों पर काबू में करने के लिए कदम उठा रही है। सहकारी नैफेड (Nafed) ने 20 नवंबर तक 15,000 टन लाल प्याज की आपूर्ति के लिए शनिवार को आयातकों से बोलियां आमंत्रित की। आयातक अपनी बोलियां चार नवंबर तक जमा करा सकते हैं। देश में प्याज की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने और घरेलू बाजार में इसकी उपलब्धता बढ़ाने के लिए नैफेड ने यह टेंडर निकाली है।

पीएनबी की दिसंबर में क्यूआईपी से 7,000 करोड़ रुपए जुटाने की योजना

नई दिल्ली: पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) अगले महीने शेयर बिक्री के जरिए 7,000 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बना रहा है। बैंक ने कहा है कि अपनी कारोबारी योजना के लिए पूंजी आधार को मजबूत करने को वह पूंजी जुटाने की तैयारी कर रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र के दूसरे सबसे बड़े बैंक को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में ऋण की वृद्धि में सुधार होगा। हालांकि, बैंक का मानना है कि पूरे वित्त वर्ष के दौरान ऋण की वृद्धि पांच प्रतिशत से कम रहेगी। पीएनबी के प्रबंध निदेशक एस एस मल्लिकार्जुन राव ने मंगलवार को मीडिया के साथ वर्चुअल बातचीत में कहा, 'बैंक पहले ही टियर दो, अतिरिक्त टियर ए (एटी-1) बांड तथा पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) से 14,000 करोड़ रुपए जुटाने के लिए बोर्ड की मंजूरी ले चुका है। उन्होंने कहा, ''इसमें से 4,000 करोड़ रुपए टियर दो के हैं। इसमें से 2,500 करोड़ रुपए जुटाए जा चुके हैं, शेष 1,500 करोड़ और एटी-1 से अतिरिक्त 3,000 करोड़ रुपए 30 नवंबर से पहले जुटाए जाएंगे।

निर्मला सीतारमण ने बताया, अगले बजट में क्या होगा खास

बिजनेस डेस्क:

मोदी सरकार ने अपने अगले आम बजट की तैयारियां शुरू कर दी हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक इंटरव्यू में बताया कि अगले बजट में उनका फोकस पूरी तरह इन्फ्रास्ट्रक्चर और सुधारों पर होगा। वित्त मंत्री ने कहा कि कई आर्थिक आंकड़ों से साफ संकेत मिल रहे हैं कि इकॉनमी अब पटरी पर लौटने लगी है लेकिन रिकवरी को स्थाई बनाने के लिए यह जरूरी है कि ये आंकड़े लगातार इसी स्तर पर बने रहें। उन्होंने स्वीकार किया कि महंगाई हमेशा से सरकार के लिए चिंता की बात रही है और आपूर्ति में मामूली बाधा से ही समस्या गहरा जाती है। केवल व्यवस्थागत सुधारों, बेहतर भंडारण, जल्दी खराब होने वाली चीजों के बेहतर रखरखाव से ही मदद मिलेगी। हम इस पर काम कर रहे हैं।

विनिवेश की धीमी प्रक्रिया

विनिवेश की धीमी प्रक्रिया के बारे में उन्होंने कहा कि इसमें कई फैक्टर हैं। इन सबका ध्यान रखना पड़ता है। इसमें कई प्रक्रियाओं को पालन करना पड़ता है। कोविड-19 ने स्थिति को और मुश्किल बना दिया है। सरकार की इस बात के लिए आलोचना हो रही है कि सरकार के राहत उपायों से मध्य वर्ग को कुछ हासिल नहीं हुआ। इस पर सीतारमण ने कहा कि मिडल क्लास कोई एक कैटगरी नहीं है, वे हर जगह हैं। ईपीएफओ से जुड़े जो उपाय किए गए, उससे मध्य वर्ग को फायदा हुआ।

राज्यों के साथ जीएसटी मुआवजे के मुद्दे पर विवाद के बारे में उन्होंने कहा कि कोई भी मुद्दा बातचीत से हल हो सकता है और जीएसटी काउंसिल एक मजबूत और सक्रिय फोरम है लेकिन बहस को फेडरेलिज्म के लिए खतरा नहीं माना जाना चाहिए। अगर हर बार आम सहमति न बने तो फैसला नहीं लिया जाना चाहिए या फैसले को संदेह से देखा जाना चाहिए, यह स्वीकार्य नहीं है।

महंगाई हमेशा चिंता की बात

निर्मला सीतारमण ने स्वीकार किया कि महंगाई हमेशा से सरकार के लिए चिंता की बात रही है और आपूर्ति में मामूली बाधा से समस्या गहरा जाती है। उन्होंने कहा कि व्यवस्थागत सुधारों, बेहतर भंडारण, जल्दी खराब होने वाली चीजों के बेहतर रखरखाव से मंहगाई को काबू करने में मदद मिलेगी। केंगद्र सरकार इन चीजों पर काम कर रही है और कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही महांगाई पर काबू पा लिया जाएगा।

देश का निर्यात अक्टूबर में 5.4प्रतिशत गिरकर 24.82 अरब डॉलर

नई दिल्ली: देश का निर्यात अक्टूबर में 5.4 प्रतिशत गिरकर 24.82 अरब डॉलर पर आ गया। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इसकी वजह पेट्रोलियम उत्पादों, रत्न एवं आभूषणों और चमड़े की निर्यात आय में कमी आना है। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-अक्टूबर अवधि में देश का निर्यात 150.07 अरब डॉलर रहा। यह पिछले वित्त वर्ष 2019-20 की इसी अवधि की तुलना में 19.05 प्रतिशत कम है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''देश से वस्तुओं का निर्यात अक्टूबर 2020 में 24.82 अरब डॉलर रहा। यह पिछले साल अक्टूबर के 26.23 अरब डॉलर के निर्यात से 5.4 प्रतिशत कम है। समीक्षावधि में देश का आयात भी 11.56 प्रतिशत गिरकर 33.6 अरब डॉलर रहा। बयान में कहा गया है कि इस प्रकार अक्टूबर में देश शुद्ध तौर पर आयातक रहा। देश का व्यापार घाटा 8.78 अरब डॉलर रहा। पिछले साल इसी माह 11.76 अरब डॉलर का व्यापार घाटा था।

महामारी के बीच मुंबई एयरपोर्ट पर लौटी रौनक, तीन गुना बढ़े हवाई यात्री

मुंबई: कोरोना महामारी की मार सबसे ज्यादा एयरलाइन सेक्टर पर पड़ी है। लेकिन धीरे-धीरे लॉकडाउन खुलने के बाद एयरपोर्ट पर रौनक लौट रही है। सितंबर में मुंबई एयरपोर्ट से करीब 6.5 लाख घरेलू यात्रियों ने हवाई सफर किया है। जून में यह आकंड़ा सिर्फ 2.2 लाख ही था। इस दौरान घरेलू उड़ानों की संख्या 2600 से बढ़कर 6600 पर पहुंच गई।

सबसे ज्यादा मिडिल ईस्ट के लिए उड़ानें

बता दें कि घरेलू के साथ-साथ इंटरनेशनल हवाई यात्रियों की संख्या में बढ़ौतरी हुई है। जून में विदेशी यात्रियों की संख्या 38 हजार थी, जो सितंबर में बढ़कर 77 हजार के करीब पहुंच गई।इंटरनेशनल फ्लाइट्स में सबसे ज्यादा मिडिल ईस्ट के लोगो ने सफर किया। जून से सितंबर के बीच मुंबई एयरपोर्ट से उड़ने वाली हर दो में से एक फ्लाइट ने मिडिल ईस्ट के लिए उड़ान भरी। वैसे तो मिडिल ईस्ट के लिए काफी संख्या में भारतीय सफर करते हैं, लेकिन इस बार अलग यह थाकि इनमें यात्रा करने वाले अधिकांश लोगों ने मिडिल ईस्ट के लिए उड़ान भरी थी और इनमें यूरोप, अफ्रीका और अमेरिका जाने वाले ट्रांजिट यात्रियों की संख्या नहीं के बराबर थी। मुंबई इटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार जून से सितंबर के दौरान 4 में से सिर्फ 1 ऐसी उड़ान थी जो यूरोप के लिए उड़ान भरी या आई, जबकि अमेरिका के लिए 11 फीसदी, अफ्रीका के लिए 6 फीसदी और एशिया पैसेफिक के लिए 2 फीसदी फ्लाइट्स ने उड़ाने भरी।

IMF की दुनियाभर की सरकारों को सलाह, इकोनॉमी में रिकवरी के लिए एक और राहत पैकेज दें

बिजनेस डेस्क:

इंटरनेशनल मोनटरी फंड (IMF) की चीफ इकोनॉमिस्ट गीता गोपीनाथ ने दुनियाभर की सरकारों से इकोनॉमी में रिकवरी के लिए और राहत पैकेज देने का आग्रह किया है, जो कोविड-19 महामारी के कारण लिक्विडिटी ट्रैप में फंसी हुई है। गीता गोपीनाथ ने कहा कि पहली बार 60 फीसदी ग्लोबल इकोनॉमी के सेंट्रल बैंकों की ब्याज दरें 1 फीसदी से भी नीचे आ गई है, जिसमें 97 फीसदी एडवांस्ड इकोनॉमी शामिल है। जबकि, 20 फीसदी सेंट्रल बैंकों की ब्याज दरें निगेटिव हो गई हैं। उन्होंने आगे कहा कि ब्याज दरों में भारी गिरावट के बावजूद भी सेंट्रल बैंकों ने कठिन समय के लिए ब्याज दरों में और कटौती के लिए भी तैयार हैं। सोमवार को गोपीनाथ ने कहा कि वर्तमान में दुनियाभर की इकोनॉमी लिक्विडिटी ट्रैप में हैं, जहां मोनेटरी पॉलिसी के प्रभाव सीमित हैं। इसलिए हमें और योजनाओं के निर्माण पर सहमत होने की आवश्यकता है।

नकदी की समस्या

उन्होंने दुनियाभर की फिस्कल अथॉरिटी को नकदी ट्रांसफर कर डिमांड को बढ़ाने की सलाह दी है। क्योंकि, इससे खपत में ग्रोथ देखने मिलेगी। गोपीनाथ ने कहा कि मेडिकल सुविधाओं, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और पर्यावरण सुरक्षा में बड़े स्तर पर निवेश की बात कही। इससे नए रोजगार के अवसर बनेंगे और प्राइवेट इन्वेस्टमेंट को भी प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही रिकवरी की नींव मजबूत होगी। हालांकि, राहत पैकेज हमेशा बेहतर विकल्प नहीं होता है। क्योंकि, अलग-अलग क्षेत्रों में खर्च, इकोनॉमी ग्रोथ के लिए सार्वजनिक निवेश को बढ़ाना होगा।

इकोनॉमी में गिरावट

पिछले महीने वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट के जारी किया गया था। इसमें आईएमएफ ने 2020 के लिए ग्लोबल इकोनॉमी में 4.4 फीसदी की गिरावट का अनुमान आशंका जताई है। आईएमएफ ने कहा कि कोरोना महामारी के कारण आर्थिक मुश्किलें लंबे समय तक रहेगी।

दिल्ली के यात्रियों को ई-रिक्शा की सुविधा उपलब्ध कराएगी उबर, मेट्रो स्टेशनों पर रहेंगे तैनात

नई दिल्ली: ऐप आधारित टैक्सी सेवा देने वाली कंपनी उबर अब यात्रियों को ई-रिक्शा से भी यात्रा कराएगी। कंपनी ने दिल्ली में अपने मंच से 100 ई-रिक्शा जोड़े हैं। इस तरह दिल्ली पहला शहर हो गया है, जहां उबर ई-रिक्शा की सेवा उपलब्ध कराने जा रही है। उबर ने मंगलवार को बयान में कहा कि इन वाहनों को दिल्ली के 26 मेट्रो स्टेशनों पर लगाया गया है। इससे यात्रियों को काफी सुविधा होगी। यात्री मंगलवार से उबर ऐप पर ई-रिक्शा की बुकिंग भी कर सकेंगे। ये ई-रिक्शा ब्लू लाइन के अशोक पार्क मेन, डाबड़ी मोड़, ईएसआई बसईदारापुर, जनकपुरी पूर्व और उत्तम नगर पूर्व और अन्य मेट्रो स्टेशनों पर उपलब्ध होंगे। उबर ने कहा कि उसने वैश्विक स्तर पर 2040 तक अपने मंच पर यात्रा को 100 प्रतिशत उत्सर्जन मुक्त करने का लक्ष्य रखा है। ई-रिक्शा की पेशकश कंपनी की इसी वैश्विक प्रतिबद्धता का हिस्सा है।

करंट बैंक अकाउंट को लेकर RBI का बड़ा फैसला, 15 दिसंबर से लागू होंगे नए नियम

बिजनेस डेस्क:

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने बड़ा फैसला लिया है। आरबीआई ने करंट बैंक खाते से जुड़े नए नियमों को 15 दिसंबर से लागू करने का फैसला किया है। इससे पहले इसकी आखिरी तारीख 5 नवंबर तय की गई थी। नए नियमों के मुताबिक, कंपनियों को उस बैंक में अपना करंट अकाउंट या ओवरड्राफ्ट अकाउंट खुलवाना ही होगा, जिससे वे कर्ज ले रहे हैं। इससे कर्जदाता बैंक को कंपनी के कैश फ्लो के बारे में पूरी जानकारी रहेगी। साथ ही आरबीआई ने बैंकों से भी कहा है कि वे करंट अकाउंट को कर्ज देने के लिए इस्तेमाल ना करें। इसके बजाय बैंक कर्ज लेने वाले व्यक्ति को वस्तु और सेवाएं मुहैया कराने वाली कंपनी को सीधे भुगतान करें। इससे कर्ज की रकम की हेराफेरा पर रोक लगेगी।

आरबीआई की ओर से जारी आदेश में बताया गया है कि वो जल्द इससे जुड़े सभी सवालों के जवाब भी जारी करेंगे।

आइए जानें नए नियमों के बारे में

उपभोक्ता ने बैंकों से 5 करोड़ रुपए से कम लोन लिया है। ऐसी कंपनियों का कोई भी बैंक करंट अकाउंट खोल सकता है।

बैंकिंग सिस्टम से 5 से 50 करोड़ रुपए तक का लोन लेने वाले उपभोक्ताओं का करंट अकाउंट सिर्फ कर्जदाता बैंक में ही खुल सकता है। नॉन-लेंडिंग बैंक ऐसी कंपनियों का सिर्फ कलेक्शन अकाउंट खोल सकते हैं यानी इनमें सिर्फ पैसा आ सकता है। इस पैसे का कर्ज देने वाले बैंक के कैश क्रेडिट अकाउंट में भुगतान करना होगा। कलेक्शन अकाउंट पर बैंक को कोई फायदा नहीं मिलता है।

बैंकिंग सिस्टम से 50 करोड़ रुपए से ज्यादा का कर्ज लेनी वाली कंपनी का एक कर्जदाता बैंक में एक एस्क्रो अकाउंट खोलना होगा और यही बैंक करंट अकाउंट भी खोल सकता है। ऐसी कंपनी का दूसरे बैंक कलेक शन अकाउंट खोल सकते हैं।

बैंकर्स के मुताबिक, अभी तक ये साफ नहीं है कि इसे लागू कैसे किया जाएगा। साथ ही ये भी सवाल है कि इन नियमों की निगरानी कैसे की जाएगी। हालांकि, उनका कहना है कि नए नियमों और पाबंदियों का सबसे बड़ा फायदा सरकारी बैंकों को ही मिलेगा।

आखिर RBI ने क्यों लिया ये फैसला

आरबीआई इस फैसले की मदद से कर्ज के तौर पर ली गई रकम की हेराफेरी पर रोक लगाना चाहता है। अभी तक ज्यादातर कर्ज लेने वाली कंपनियां सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से लोन लेते हैं लेकिन रोजमर्रा की जरूरतों के लिए करंट अकाउंट विदेशी या निजी बैंक में खुलवाते हैं। दरअसल, ये बैंक अपने ग्राहकों को बेहतर नगदी प्रबंधन की पेशकश करते हैं। ज्यादातर विदेशी और निजी मझोली कंपनियों को बड़ा कर्ज नहीं देते हैं लेकिन सभी बैंक चाहते हैं कि कंपनियां अपने करंट अकाउंट उनके पास ही खुलवाएं।

जैक मा को लगा बड़ा झटका, शंघाई स्टॉक एक्सचेंज ने सस्पेंड किया अलीबाबा के एंट ग्रुप का आईपीओ

नई दिल्ली।

बीते दिनों खबर आई थी कि चीन की कंपनी ऐंट फाइनेंशियल हिस्ट्री का सबसे बड़ा आईपीओ लाने वाली है। अब खबर आई है कि शंघाई स्टॉक एक्सचेंज ने जैक मा की कंपनी अलीबाबा के ऐंट फाइनंशियल का आईपीओ सस्पेंड कर दिया है। जैक मा की कंपनी अलीबाबा की एंट ग्रुप की इस आईपीओ के जरिए 35 अरब डॉलर जुटाने की योजना थी। बता दें कि एंट ग्रुप दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी है और यह कंपनी वैल्युएशन 250 अरब डॉलर तक ले जाना चाहती है। इसकी तुलना में भारत की कोई भी कंपनी सामने नहीं ठहरती। भारत की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्री की वैल्यु 150 अरब के करीब है। ऐंट कई तरह के वित्तीय उत्पादों का परिचालन करती है। इसमें चीन का अलीपे डिजिटल वॉलेट भी है। यह दुनिया के सबसे बड़े मुद्रा बाजार कोषों में से है। कंपनी ने आईपीओ के जरिए 34.5 अरब डॉलर जुटाने का लक्ष्य रखा था। यह पेट्रोलियम कंपनी सऊदी अरामको की पिछले साल की 29 अरब डॉलर की शेयर बिक्री पेशकश से अधिक है। इस तरह ऐंट का आईपीओ दुनिया की सबसे बड़ी शेयर बिक्री पेशकश बन सकता है।चीनी नियामकों ने अलीबाबा के संस्थापक जैक मा और उसके वरिष्ठ अधिकारियों को सोमवार को बातचीत के लिये तलब किया था। सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने आधिकारिक बयान का हवाला देते हुए कहा कि पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना और दूसरे विभागों ने जैक मा यून और एंट समूह के दूसरे अधिकारियों को नियमन को लेकर बातचीत के लिये बुलाया था।

खुलासा! कोरोना काल में घर चलाने के लिए 65 करोड़ से ज्यादा लोगों ने लिया उधार

नई दिल्ली।

कोरोना महामारी के दौर में भारतीयों ने अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए 46 फीसदी ने उधार लिए, वहीं, 27 फीसदी लोगों ने ईएमआई का भुगतान करने के लिए उधारी का सहारा लिया है। इस बात का खुलासा होम क्रेडिट इंडिया के एक शोध में हुआ है। शोध के मुताबिक कोरोनाकाल में 46 फीसदी भारतीयों ने अपनी गृहस्थी चलाने के लिए उधार का सहारा लिया है।

महामारी के दौरान लगाए गए लॉकडाउन में 14 फीसदी लोगों को उधार लेना पड़ा, क्योंकि इस दौरान उन्हें नौकरी से हाथ धोना पड़ा।

मुंबई और भोपाल की हालत खराब

बता दें कि मुंबई और भोपाल में सबसे ज्यादा लोग (27 फीसदी) उधार लिए हैं। इसके बाद दिल्ली और पटना की बारी आती है जहां क्रमश- 26 फीसदी व 25 फीसदी है। साल 2019 में तकरीबन 46 फीसदी लोगों ने उधार लिया था। इनमें 33 फीसदियों ने अपनी जीवनशैली के स्तर बेहतर बनाने और बाकियों ने परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए उधार लिया था।

वेतन में कटौती

कोरोनावायरस महामारी ने देश की अर्थव्यवस्था और समाज में लोगों पर काफी प्रभाव डाला है। इस दौर में किसी की नौकरी के चले जाने और वेतन में हो रही भारी कटौती ने निम्न और मध्यम आय वर्ग को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। कोरोना महामारी ने लोन और उधार की वरीयताओं के प्रति नजरिए में बदलाव किया है।

लोगों की नौकरियों पर कोरोना का डंक

कोरोना ने देश के हर राज्य से लाखों लोगों की नौकरियों पर डंक मारा है, इनमें से ज्यादातर युवा थे। सेंटर फ़ॉर इंडियन इकोनॉमी के आंकड़ों के अनुसार, कोरोना संक्रमण से बचने के लिए लगाए गए लॉकडाउन लगने के एक महीने के बाद करीब 12 करोड़ लोग अपने काम से हाथ गंवा चुके हैं।

Share Market: शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स 40 हजार अंक पार, निफ्टी 153 अंक उछली

मुंबई:

वैश्विक स्तर से मिले सकरात्मक संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर विनिर्माण गतिविधियों में आयी तेजी के बल पर बने मजबूत निवेशधारणा से मंगलवार को बैंकिंग, वित्त, ऑटो और धातु समूहों में हुयी तीव्र लिवाली से शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन बढ़त बनाने में सफल रहा और इस दौरान सेंसेक्स 503 अंकों की छलांग लगाकर 40 हजार अंक के स्तर को पार कर गया। बीएसई का शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 503.55 अंक बढ़कर 40261.13 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 153.65 अंक चमककर 11822.80 अंक पर रहा। इस दौरान छोटी और मझौली कंपनियों में भी लिवाली हुयी जिससे बीएसई का मिडकैप 0.42 प्रतिशत चढ़कर 15021.01 अंक पर और स्मॉलकैप 0.35 प्रतिशत उठकर 14834.27 अंक पर रहा। बीएसई में अधिकांश समूह बढ़त में रहे लेकिन रिलायंस इंडस्ट्रीज में लगातार दूसरे दिन हुयी बिकवाली के कारण तेल एवं गैस और एनर्जी समूह गिरावट में रहा। बढ़त में रहने वालों में बैंकिंग 3.21 प्रतिशत, वित्त 2.92 प्रतिशत, धातु 2.07 प्रतिशत, ऑटो 1.55 प्रतिशत, सीडी 1.17 प्रतिशत और हेल्थकेयर 1.22 प्रतिशत शामिल है। बीएसई में कुल 2830 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 1410 बढ़त में और 1229 गिरावट में रहे जबकि 191 में कोई बदलाव नहीं हुआ। वैश्विक स्तर पर सभी प्रमुख सूचकांक हरे निशान में रहा। ब्रिटेन का एफटीएसई 1.69 प्रतिशत, जर्मनी का डैक्स 1.89 प्रतिशत, जापान का निक्केई 1.39 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 1.96 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 1.42 प्रतिशत शामिल है।

लॉकडाउन में अडाणी समूह का मुनाफा 31 फीसदी बढ़ा, 1393 करोड़ रुपये कमाए

नई दिल्ली।

पूरी दुनिया कोरोना महामारी की मंदी से जूझ रही है। देश की तमाम बड़ी कंपनियों को घाटा उठाना पड़ा है। कंपनियों में कई कर्मचारियों की छंटनी की गई। लाखों की तदाद में लोग बेरोजगार हो गए। लेकिन महामारी के इस दौर में अडानी समूह ने जोरदार मुनाफा कमाया है।

मुनाफा 31.57 फीसदी बढ़ा

अडाणी पोर्ट्स एण्ड स्पेशल इकोनोमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजैड) ने मंगलवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष की 30 सितंबर 2020 को समाप्त दूसरी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 31.57 प्रतिशत बढ़कर 1,393.69 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने बीएसई को भेजी सूचना में कहा कि एक साल पहले इसी अवधि में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 1,059.20 करोड़ रुपये रहा था। एपीएसईजैड देश की सबसे बड़ी एकीकृत लाजिस्टिक्स कंपनी है।

कंपनी की कुल एकीकृत आय बढ़कर 3,423.16 करोड़ रुपये

आलोच्य तिमाही के दौरान कंपनी की कुल एकीकृत आय बढ़कर 3,423.16 करोड़ रुपये हो गई। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 3,326.90 करोड़ रुपये रही थी। इस दौरान कंपनी का कुल व्यय कम होकर 1,622.78 करोड़ रुपये रहा जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में यह 2,440.56 करोड़ रुपये रहा था। एपीएसईजैड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और पूर्णकालिक निदेशक करण अडाणी ने कहा, 'एपीएसईजैड ने उसकी परिसंपत्तियों में शामिल पोर्टफोलियो के इस्तेमाल को साबित किया है और इस दौरान उसकी बाजार हिस्सेदारी सकल मालवहन में बढ़कर 24 प्रतिशत तक पहुंच गई।

एपीएसईजैड भी वृद्धि के रास्ते पर लौटी

अर्थव्यवस्था के चरणबद्ध तरीके से खुलने के साथ ही एपीएसईजैड भी वृद्धि के रास्ते पर लौट रही है और तिमाही दर तिमाही आधार पर उसने 36 प्रतिशत वृद्धि हासिल की है। अडाणी ने कहा कि एपीएसईजैड वर्ष 2025 तक 50 करोड़ टन माल का वहन करने के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली के कोच पोटिंग ने कहा, लगातार चार मैच गंवाना सबसे मुश्किल दौर था

अबु धाबी। (एजेंसी)

दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोटिंग ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग के अंतिम लीग मैच में जीत से पहले लगातार चार मैच गंवाना सबसे मुश्किल दौर था लेकिन इस दौरान खिलाड़ियों को मनोबल बनाए रखने का फायदा मिला। दिल्ली की टीम ने टूर्नामेंट में सबसे अच्छी शुरुआत की और अपने पहले नौ मैचों में से सात में जीत दर्ज की। श्रेयस अय्यर और उनकी टीम को हालांकि इसके बाद लगातार चार हार का सामना करना पड़ा और टीम तीसरे स्थान पर खिसक गई। इस दौरान नेट रन रेट कम होने के कारण टीम पर प्ले आफ से चूकने का खतरा भी मंडराने लगा था। दिल्ली ने टीम ने हालांकि सही समय पर वापसी की और सोमवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ अपना अंतिम लीग मैच छह विकेट से जीतकर आईपीएल अंक तालिका में शीर्ष दो में अपनी जगह सुनिश्चित की।

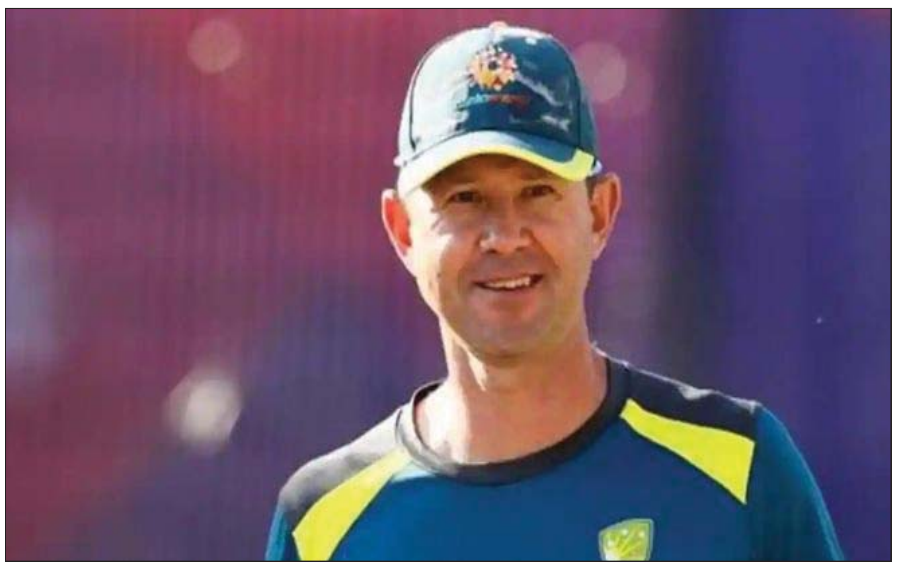

पोंटिंग ने कहा, ''यह सबसे मुश्किल था (चार मैच में हार का सामना करना)। मुझे लगता है कि पिछले कुछ हफ्तों में सबसे महत्वपूर्ण यह सुनिश्चित करना रहा कि हमारा मनोबल नहीं गिरे।'' उन्होंने कहा, ''टूर्नामेंट के आखिरी चरण में जब भी आप कुछ मैच गंवाते हो तो लय में बदलाव लाना मुश्किल हो जाता है। लेकिन खिलाड़ियों को श्रेय जाता है- वे शानदार थे। आप खिलाड़ियों के अंदर अलग तरह की ऊर्जा देख सकते थे जिससे पूरे मैच में लय बनी।'' विराट कोहली की अगुआई वाली बेंगलोर की टीम के खिलाफ अपनी टीम के प्रदर्शन पर पोंटिंग ने कहा, ''यह परफेक्ट मैच नहीं था लेकिन काफी अच्छा था, हमने ठोस प्रदर्शन किया जिसकी हमें जरूरत थी। उनकी टीम काफी अच्छी है और हमने एक ओवर शेष रहते जीत दर्ज की जो टी20 क्रिकेट में काफी बड़ा अंतर है।'' दिल्ली की टीम को फाइनल में जगह बनाने के अब दो मौके मिलेंगे।

टीम गुरुवार को पहले क्वालीफायर में अंक तालिका में शीर्ष पर रहे और गत चैंपियन मुंबई इंडियन्स से भिड़ेगी। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा, ''मुझे सबसे अधिक गर्व है क्योंकि यह करो या मरो का मुकाबला था और लड़कों को यह पता था और उन्होंने काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।'' उन्होंने कहा, ''मैं इसे इस तरह देख रहा हूं कि हमने एक काम कर दिया है और अब हमें दो और मैच खेलने हैं। इससे हमारा मनोबल बढ़ा है और हम अपना पहला फाइनल जीतने का प्रयास करेंगे।'' पोंटिंग ने कहा, ''अब हमारी नजरें मुंबई इंडियन्स पर हैं जिन्होंने इस टूर्नामेंट में हमें दो बार हराया है और हम सुनिश्चित करेंगे कि अगले कुछ दिनों में उनके लिए तैयार रहें।

कोविड से उबरने के बाद एंटोनिन बराक ने दिखाया अपना दमखम, अपने दो गोल से वेरोना को दिलाई जीत

वेरोना। (एजेंसी)

एंटोनिन बराक ने कोरोना वायरस से उबरने के बाद अपने दमखम और कौशल का अच्छा नजारा पेश करके दो गोल दागे जिससे हेलास वेरोना ने इटालियन फुटबॉल लीग सेरी ए में बेनेवेंटो को 3-1 से हराया। इस जीत से वेरोना सातवें स्थान पर पहुंच गया है। वह शीर्ष पर काबिज एसी मिलान से पांच अंक पीछे हैं।

बेनेवेंटो 14वें स्थान पर है। बराक कोविड-19 से उबरने के बाद अपना पहला मैच खेल रहे थे। उन्होंने 17वें मिनट में वेरोना को बढ़त दिलायी। बेनेवेंटो ने दूसरे हाफ के शुरू में जियानलुका लापाडुला के गोल से स्कोर बराबर किया। इसके सात मिनट बाद बराक ने अपना दूसरा गोल दाग दिया। वेरोना की तरफ से तीसरा गोल डार्को लाजोविच ने 77वें मिनट में किया।

चेन्नई सुपर किंग्स के आलराउंडर शेन वॉटसन ने फ्रेंचाइजी क्रिकेट को कहा अलविदा

सिडनी। (एजेंसी)

ऑस्ट्रेलिया के चोटी के आलराउंडर शेन वाटसन ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी टीम चेन्नई सुपर किंग्स के बाहर होने के बाद मंगलवार को प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। वाटसन ने कहा कि उन्होंने अपने 20 साल के करियर के प्रत्येक पल का भरपूर आनंद लिया और उन्होंने जो सपना देखा था उसे साकार करने के लिये वह स्वयं को भाग्यशाली मानते हैं। यह 39 वर्षीय खिलाड़ी 2016 में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुका था और उन्होंने पिछले साल आस्ट्रेलियाई बिग बैश लीग को अलविदा कह दिया था। वाटसन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, ''इसकी शुरुआत बचपन में तब हुई थी जब मैंने एक टेस्ट मैच देखते हुए अपनी मां से कहा था कि मैं आस्ट्रेलिया की तरफ से खेलना चाहता हूं। अब जबकि मैं आधिकारिक तौर पर सभी तरह की क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर रहा हूं तब मैं खुद को भाग्यशाली मान रहा हूं कि मैंने अपना सपना पूरा किया।'' उन्होंने कहा, ''इस अध्याय का समापन करना मुश्किल बनता जा रहा है लेकिन मैं कोशिश कर रहा हूं। मैं वास्तव में आभारी हूं कि मैंने यह अद्भुत सपना जिया। अब अगली रोमांचक यात्रा की तैयारी है।''

वाटसन ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 59 टेस्ट, 190 वनडे और 58 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। टी20 प्रारूप में उनकी काफी मांग थी और वह आईपीएल में शुरू से नियमित रूप से खेलते रहे। आईपीएल में उन्होंने 145 मैचों में 3874 रन बनाये जिसमें चार शतक और 21 अर्धशतक शतक शामिल हैं। उन्होंने इसके अलावा 92 विकेट भी लिये। उन्होंने कहा, ''वास्तव में लगता है कि यह सही समय है। मैं जानता हूं कि मैंने क्रिकेट में अपना आखिरी मैच, अपने प्रिय चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से आखिरी मैच खेल लिया है। अपने लंबे करियर में इतनी चोटों के बावजूद 39 वर्ष की उम्र में अलविदा कहने पर मैं वास्तव में खुद को भाग्यशाली मानता हूं।'' उन्होंने अपने करियर में अहम भूमिका निभाने वाले लोगों विशेषकर अपनी मां, पिताजी, बहन निकोल और अपनी पत्नी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने सभी कोच, मेंटोर, टीम के साथियों और प्रशंसकों का भी आभार जताया।

वाटसन ने इस साल आईपीएल में चेन्नई की तरफ से 299 रन बनाये। चेन्नई की टीम इस टूर्नामेंट में पहली बार प्लेऑफ के लिये क्वालीफाई करने में नाकाम रही। यह आस्ट्रेलियाई आलराउंडर उन कुछेक खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने दो अलग अलग टीमों की तरफ से आईपीएल जीता। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स की आईपीएल के पहले टूर्नामेंट में खिताबी जीत में अहम भूमिका निभायी थी। तब उन्होंने 472 रन बनाने के अलावा 17 विकेट भी लिये थे। चेन्नई की तरफ से उन्होंने 2018 में मुंबई इंडियन्स के खिलाफ फाइनल में शतक जमाकर अपनी टीम को खिताब दिलाया था। वाटसन ने उस सत्र में 555 रन बनाने के अलावा छह विकेट भी लिये थे।

श्रेयस अय्यर को उम्मीद, मुंबई से पार पाने में सफल रहेगी दिल्ली की टीम

अबुधाब। (एजेंसी)

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान श्रेयस अय्यर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी टीम की लगातार चार हार के बाद शानदार वापसी से बेहद उत्साहित हैं और उनको विश्वास है कि पहले क्वालीफायर में वह मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियन्स को हराने में सफल रहेंगे। दिल्ली कैपिटल्स ने सोमवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर पर छह विकेट की आसान जीत से शीर्ष दो में जगह बनायी। फाइनल में पहुंचने के लिये उसे अब गुरुवार को मुंबई को हराना होगा। अय्यर ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मुंबई इंडियन्स सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है। लेकिन मैं यह भी कहूंगा कि हमारे पास भी निर्भीक और बेहतरीन खिलाड़ियों की टीम है।'' उन्होंने कहा, ''यह वास्तव में उस दिन के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। वे इस तरह (फाइनल्स) के चरण में खेलने के बेहद अनुभवी है लेकिन मैच के दिन जिस टीम का दृष्टिकोण बेहतर रहता है और जो अच्छा प्रदर्शन करती है वह आगे बढ़ने में सफल रहेगी।''

अय्यर ने कहा कि मुंबई के खिलाफ दुबई में होने वाले मुकाबले में सहजता से दबाव का सामना करना महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा, ''हमें दबाव की परिस्थितियों में चीजों को जटिल नहीं बल्कि सरल बनाये रखना होगा। हम जिस तरह से आगे बढ़ रहे थे, यह वास्तव में अच्छी जीत रही और इससे हमारा काफी मनोबल बढ़ेगा। लगातार चार हार के बाद यह जीत हमारे लिये आवश्यक थी। मैं अपने खिलाड़ियों के प्रदर्शन से वास्तव में खुश हूं।'' इस बीच बेंगलोर के स्पिनर शाहबाज अहमद ने कहा कि शिखर धवन का विकेट हासिल करना विशेष था। उन्होंने कहा, ''आईपीएल से पहले अभ्यास शिविर से मुझे मदद मिली। आईपीएल में पहला विकेट और वह भी शिखर धवन का, यह विशेष है। यह अच्छा है कि हमारा नेट रन रेट बेहतर रहा और हम हार के बावजूद आगे बढ़ने में सफल रहे।

रोहित को पता है उसका करियर काफी लंबा, सिर्फ यही आईपीएल नहीं खेलना : गांगुली

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली चाहते हैं कि चोटिल सीनियर सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा प्ले आफ में अपनी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम मुंबई इंडियन्स की ओर खेलने का फैसला लेने के दौरान सतर्कता बरतें क्योंकि उनकी पैर की मांसपेशियों की चोट के बढ़ने का खतरा है जिसके कारण उन्हें आस्ट्रेलिया दौरे पर जाने वाली भारतीय टीम में भी जगह नहीं दी गई। रोहित किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ दूसरे चरण के मैच के बाद से बायें पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण नहीं खेल पाए हैं और इस कारण उन्हें इस महीने आस्ट्रेलिया दौरे पर जाने वाली भारतीय टीम में भी जगह नहीं मिली है।

बीसीसीआई अध्यक्ष ने कहा कि बोर्ड रोहित जैसे खिलाड़ी की मैदान पर वापसी के लिए हर संभव प्रयास करेगा क्योंकि यह उनका काम है। मुंबई इंडियन्स को गुरुवार को प्ले आफ में दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ना है। गांगुली ने पीटीआई को दिए विशेष साक्षात्कार में कहा, ''रोहित फिलहाल चोटिल है। अन्यथा हम उसके जैसे खिलाड़ी को बाहर क्यों रखते। वह राष्ट्रीय (सीमित ओवरों की टीम) टीम के उप कप्तान हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमें उसका आकलन करना होगा। हमें नहीं पता कि वह कब वापसी करेगा। चोटिल होने के बाद वह अब तक नहीं खेला है। हम चाहते हैं कि वह उबर जाए। यह बीसीसीआई का काम है कि वह अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को मैदान पर उतारे। अगर वह उबर जाता है तो वह खेलेगा।'

मुंबई इंडियन्स द्वारा पोस्ट किए गए उस वीडियो के बारे में पूछने पर जिसमें रोहित नेट पर बल्लेबाजी करते दिख रहे हैं, गांगुली ने इस सीनियर खिलाड़ी को सतर्क रहने को कहा। पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, ''हां, आप नहीं चाहते कि वह दोबारा चोटिल हो। उसकी मांसपेशियों में चोट है और दोबारा ऐसा हो सकता है। इसके बाद उसे वापसी करने में और अधिक समय लगेगा लेकिन हां, ऐसे लोग हैं जो उसके साथ काम कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''मुंबई इंडियन्स का फिजियो उनके साथ काम कर रहा है। भारतीय फिजियो (नितिन पटेल) भी वहां है। रोहित को भी पता है कि उसके सामने लंबा करियर है और यह सिर्फ इस आईपीएल की बात नहीं है।''

भारत के लिए 113 टेस्ट और 311 वनडे खेलने वाले गांगुली का मानना है कि ट्रेनिंग के दौरान जो चीज सही लग रही हो जरूरी नहीं है कि मैच की स्थिति में भी वह सही हो। उन्होंने कहा, ''मैं आपको बता सकता हूं कि अभ्यास में आप जो चीजें आसानी से कर रहे हो, मैच की स्थिति के दौरान आपको इसमें जूझना पड़ सकता है। दबाव की स्थिति में मांसपेशियां अलग प्रतिक्रिया देती हैं।'' बीसीसीआई अध्यक्ष ने हालांकि कहा कि इशांत शर्मा मांसपेशियों में खिंचाव से अच्छी तरह उबर रहे हैं और उन्हें उम्मीद है कि यह तेज गेंदबाज दिसंबर के मध्य में आस्ट्रेलिया में शुरू होने वाली टेस्ट श्रृंखला के लिए उपलब्ध रहेगा। उन्होंने कहा, ''हां, हमें उम्मीद है कि इशांत टेस्ट मैचों में वापसी करेगा। उसने छोटे रन अप और छोटे स्पैल में गेंदबाजी शुरू कर दी है। वह एनसीए में गेंदबाजी कर रहा है। लेकिन बीसीसीआई के तेज गेंदबाजों के लिए नियमों के अनुसार इशांत आस्ट्रेलिया में दो प्रथम श्रेणी मैच खेलेगा।'' आईपीएल के मौजूदा टूर्नामेंट के दौरान कुछ खिलाड़ियों को चोटें लगी और गांगुली ने कहा कि कोविड-19 के कारण इतने लंबे ब्रेक के बाद ऐसा होने की आशंका थी।

भारतीय हॉकी टीम में जगह पक्की करने के लिये तकनीक पर काम कर रहे हैं डिफेंडर निलाम

बेंगलुरू। (एजेंसी)

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के डिफेंडर निलाम संजीप खेस ने कहा कि वह राष्ट्रीय टीम में जगह पक्की करने के लिये अपनी तकनीक पर काम कर रहे हैं। भारत की तरफ से अब तक 14 मैच खेलने वाले इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि वह राष्ट्रीय शिविर के दौरान अपने कौशल को निखारने में लगे रहे। निलाम ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा, ''मेरे अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत थोड़ा मुश्किल रही। मैंने भारत की तरफ से अपना आखिरी टूर्नामेंट अगस्त 2019 में ओलंपिक टेस्ट प्रतियोगिता के रूप में खेला था। हालांकि मैंने विभिन्न राष्ट्रीय शिविरों में अपने खेल के तमाम पहलुओं पर कड़ी मेहनत जारी रखी।''

उन्होंने कहा, ''मैंने कुछ तकनीकी पहलुओं की पहचान की है जिन पर मुझे काम करने की जरूरत है और उम्मीद है कि एक खिलाड़ी के तौर पर मैं सुधार करूंगा। मैं अपने खेल को बेहतर बनाने के लिये प्रतिबद्ध हूं जिससे मैं भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की कर सकूं। यह अभी मेरा तात्कालिक लक्ष्य है।'' निलाम ने कहा, ''मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे हरमनप्रीत सिंह और रूपिंदर पाल सिंह जैसे खिलाड़ियों के साथ अभ्यास करने का मौका मिल रहा है। वे प्रेरणादायी हैं और मैंने उनसे काफी कुछ सीखा है।

कोविड -19 की नेगेटिव रिपोर्ट आने के बाद भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी जर्मनी से लौटे

नयी दिल्ली। जर्मनी में फंसे भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी कोरोना वायरस के दूसरे परीक्षण में नेगेटिव आने के बाद मंगलवार को स्वदेश लौट गये। भारतीय दल का जर्मन स्वास्थ्य विभाग ने एक नवंबर को दूसरा परीक्षण किया था। इस दल में लक्ष्य सेन सहित तीन शटलर शामिल थे। मौजूदा चैंपियन लक्ष्य को अपने पिता और कोच डी के सेन के वायरस के लिये पॉजीटिव पाये जाने के बाद सारब्रूकेन में सारलॉरलक्स ओपन से हटना पड़ा था। विश्व के पूर्व नंबर 13 अजय जयराम और 2018 के विजेता शुभंकर डे को भी इस सुपर 100 टूर्नामेंट से हटने के लिये मजबूर होना पड़ा तथा सीनियर सेन के संपर्क में आने के कारण उन्हें भी पृथकवास पर रख दिया गया था।

लक्ष्य, जयराम, शुभंकर और फिजियो अभिषेक वाघ को टूर्नामेंट से पहले नेगेटिव पाया गया था। लक्ष्य, उनके पिता और फिजियो बेंगलुरू पहुंचे जबकि शुभंकर और जयराम ने फ्रैंकफर्ट से दिल्ली की उड़ान पकड़ी। डी के सेन ने कहा, ''हम सुबह पांच बजे बेंगलुरू में अपने घर पहुंच गये। हम सभी पूरी तरह से स्वस्थ हैं। मेरा परीक्षण पॉजीटिव आने के बाद हम पृथकवास पर थे। जर्मन अधिकारियों ने एक नवंबर को हम पांचों का दूसरा परीक्षण किया और सौभाग्य से परिणाम नेगेटिव आया और हम तुरंत ही स्वदेश लौट गये।'' डी के सेन को छह नवंबर तक अलग थलग रहने के लिये कहा गया है जबकि बाकी को नौ नवंबर तक पृथकवास पर रहने के लिये कहा गया है।

महिला टी20 चैलेंज : अजेय सुपरनोवाज की निगाह लगातार तीसरे खिताब पर

शारजाह। (एजेंसी)

भारतीय महिला क्रिकेट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के अलावा इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की खिलाड़ी बुधवार से यहां शुरू होने वाले तीसरे महिला टी20 चैलेंज में एक दूसरे के खिलाफ अपना कौशल और दमखम दिखाएंगे। इस टूर्नामेंट में चार मैच होंगे जिसमें तीन टीमें मौजूदा चैंपियन सुपरनोवाज, पिछले साल का उप विजेता वेलोसिटी और ट्रेलब्लेजर्स भाग लेंगी। ये तीनों टीमें एक दूसरे से भिड़ेंगी जिसके बाद नौ नवंबर को फाइनल होगा। टूर्नामेंट में श्रीलंका, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड की खिलाड़ी भी भाग ले रही हैं। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम सुपरनोवाज ने अब तक पिछले दोनों टूर्नामेंट में अपने सभी मैच जीते हैं। वह अपने अभियान की शुरुआत मिताली राज की अगुवाई वाले वेलोसिटी टीम के खिलाफ करेगी और उसकी निगाह लगातार तीसरा खिताब जीतने पर टिकी रहेगी। हरमनप्रीत पिछले टूर्नामेंट में शानदार फार्म में थी। उन्होंने तीन मैचों में से दो में अर्धशतक जमाये। फाइनल में उनकी 37 गेंदों पर 51 रन की पारी ने जीत में अहम भूमिका निभायी थी। भारत की टी20 कप्तान अपनी शानदार फार्म में वापसी करने की कोशिश करेंगी।

इस साल के शुरू में आस्ट्रेलिया में महिला विश्व टी20 में उन्होंने लचर प्रदर्शन किया था। हरमनप्रीत ने पांच मैचों में 6.00 की औसत से रन बनाये जिसका खामियाजा भारत ने भुगता और उसे उप विजेता से संतोष करना पड़ा। जेमिमा रोड्रिग्स पर भी सभी की निगाहें टिकी रहेंगी। पिछले सत्र में मुंबई की इस क्रिकेटर ने सर्वाधिक 123 रन बनाये थे ओर उन्हें टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। विरोधी टीम में मिताली आगे बढ़कर नेतृत्व करने के लिये तैयार होंगी। पिछले साल आखिरी ओवर में चार विकेट गंवाने से उनकी टीम को हार झेलनी पड़ी थी और अब उनकी टीम उसका बदला चुकता करने की कोशिश करेगी। वेलोसिटी का दारोमदार काफी हद तक 16 वर्षीय शैफाली वर्मा पर टिका रहेगा जिन्होंने विश्व टी20 में सर्वाधिक नौ छक्के लगाये थे। सभी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी कोविड-19 के कारण फरवरी-मार्च में महिला विश्व टी20 के बाद पहली बार मैदान पर दिखेंगे। इसलिए उनके फिटनेस स्तर को देखना दिलचस्प होगा। टूर्नामेंट में थाईलैंड के सलामी बल्लेबाज नाथकन चंथाम भी हिस्सा लेंगी जिन्होंने विश्व टी20 में अपने देश की तरफ से पहला अर्धशतक जमाया था।

वह टूर्नामेंट में खेलने वाली पहली एसोसिएट क्रिकेटर हैं। वह ट्रेलब्लेजर्स की तरफ से खेलेंगी जिसकी कप्तान भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना हैं। ट्रेलब्लेजर्स की टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी, इंग्लैंड की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन और वेस्टइंडीज की स्टार डींड्रा डोटिन शामिल हैं। बीसीसीआई ने 2018 में इस टूर्नामेंट की शुरुआत की थी। पहले टूर्नामेंट में केवल एक मैच मुंबई में खेला गया था। तब हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाले सुपरनोवाज ने ट्रेलब्लेजर्स को तीन विकेट से हराया था। सभी मैच शारजाह में खेले जाएंगे। पहला मैच शाम सात बजकर 30 मिनट से खेला जाएगा। टीमें इस प्रकार हैं 'सुपरनोवाज' हरमनप्रीत कौर (कप्तान), जेमिमाह रोड्रिग्स (उप कप्तान), चमारी अटापट्टू, प्रिया पुनिया, अनुजा पाटिल, राधा यादव, तानिया भाटिया (विकेटकीपर), शशिकला सिरीवर्धने, पूनम यादव, शकीरा सेल्मन, अरुंधति रेड्डी, पूजा वस्त्राकर, आयुषी सोनी, अयाबोंगा खाका और मुस्कान मलिक। **वेलोसिटी** : मिताली राज (कप्तान), वेदा कृष्णमूर्ति (उप कप्तान), शैफाली वर्मा, सुषमा वर्मा (विकेटकीपर), एकता बिष्ट, मानसी जोशी, शिखा पांडे, देविका वैद्य, सुश्री दिब्यादर्शनी, मनाली दक्षिणिनी, लीघ कास्पेरेक, डैनियल वाइट, सुन लूस, जहाँआरा आलम और एम अनघा। **ट्रेलब्लेजर्स** : स्मृति मंधाना (कप्तान), दीप्ति शर्मा (उप कप्तान), पूनम राउत, ऋचा घोष, डी हेमलता, नुज़हत परवीन (विकेटकीपर), राजेश्वरी गायकवाड़, हरलीन देओल, झूलन गोस्वामी, सिमरन दिल बहादुर, सलमा खातून, सोफी एक्लेस्टोन, नाथकन चंथाम, डींड्रा डोटिन और काशवी गौतम।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमृता राव

बॉलीवुड एक्ट्रेस अमृता राव (Amrita Rao) मां बन गई हैं, उन्होंने बेटे को जन्म दिया है. दोनों के प्रवक्ता ने स्टेटमेंट जारी इस बात की जानकारी दी. प्रवक्ता ने बताया कि, अमृता राव और आरजे अनमोल (RJ Anmol) पैरेंट्स बन गए.

बनीं मां और पापा बने RJ अनमोल, घर में आया नन्हा मेहमान

बॉलीवुड एक्ट्रेस अमृता राव मां बन गई हैं, उन्होंने बेटे को जन्म दिया है. अमृता राव के पति आरजे अनमोल पापा बन गए हैं. दोनों के प्रवक्ता ने स्टेटमेंट जारी इस बात की जानकारी दी. प्रवक्ता ने बताया कि, अमृता राव और आरजे अनमोल रविवार की सुबह पैरेंट्स बन गए. मां और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं.

प्रवक्ता ने बयान में कहा, 'परिवार बहुत खुश है और अमृता एवं आरजे अनमोल दोनों ने सभी लोगों को उनकी शुभकामनाओं और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद दिया.' राव ने 2016 में अनमोल के साथ शादी की थी. अमृता राव 'इश्क विश्क', 'मैं हूं ना', और 'विवाह' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं. उन्हें आखिरी बार 2019 में आई राजनीतिक फिल्म 'ठाकरे' में देखा गया था.

इससे पहले अपने प्रेग्नेंसी पीरियड को एंजॉय करने को लेकर अमृता ने इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट शेयर किया था. बीते दिनों पति आरजे अनमोल और प्रेग्नेंट अमृता राव की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी. नवरात्रि के मौके पर भी अमृता ने अपनी प्रेग्नेंसी पीरियड के बारे में बातें शेयर की थीं. उन्होंने बताया था कि वे प्रेंग्नेंसी के नौवें महीने में हैं और यह महीना इसलिए भी खास हो गया है क्योंकि नवरात्रि आ गई है. अमृता ने एक वीडियो शेयर कर बेबी बंप फ्लॉन्ट किया था.

अमृता राव ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया था. इस वीडियो में अमृता रेड कलर की साड़ी पहने नजर आ रही थीं. इस साड़ी में अमृता राव क्यूट बेबी बंप फ्लॉट कर रही थीं. वहीं वीडियो में अमृता के चेहरे पर प्रेग्नेंसी ग्लो दिख रहा था. जाहिर तौर पर अमृता बेहद खूबसूरत लग रही थीं और उनके इस वीडियो से जाहिर था कि वे अपने प्रेग्नेंसी पीरियड को किस कदर एंजॉय कर रही थीं.

कैटरीना कैफ ने कोरोना से बचने के लिए पहना PPE किट, एयरपोर्ट पहुंचीं और देने लगीं पोज

कोरोनावायरस महामारी के बीच सफर करना लोगों के लिए एक मुश्किल का सबब बन गया है. लोग जिस तरह से पहले बिना किसी डर और हिचकिचाहट के भागम-भाग करते थे अब आने-जाने से परहेज करने लगे हैं. कुछ ऐसा ही बॉलीवुड सेलिब्रिटीज के साथ भी हो रहा है. तमाम एक्टर पूरी सेफ्टी के साथ सफर की प्लानिंग कर रहे हैं. इस दौरान एक्ट्रेस कैटरीना कैफ ने भी कुछ ऐसा ही किया है. कैटरीना कैफ को हाल ही में एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया. जहां वह पीपीई किट पहने नजर आईं.

कैटरीना कैफ ने खुद अपना एयरपोर्ट लुक अपने प्रशंसकों के साथ शेयर किया है. कैटरीना ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह हवाई अड्डे पर नजर आ रही हैं. तस्वीर को कैप्शन देते हुए उन्होंने लिखा है- सुरक्षा पहले है, वैसे आउटफिट भी बुरा नहीं है. कैटरीना इस फोटो में पीपीई किट के साथ पोज देती नजर आ रही हैं.

इसके साथ ही उन्होंने व्हाइट फेस मास्क और फेस शील्ड भी पहन रखा है. वर्क फ्रंट की बात करें, तो कैटरीना आने वाले समय में रोहित शेट्टी की फिल्म सूर्यवंशी में अक्षय कुमार के साथ नजर आने वाली हैं. अक्षय कुमार और कैटरीना कैफ के अलावा इस फिल्म में रणवीर सिंह और अजय देवगन भी नजर आएंगे. इसके अलावा, वह सिद्धांत चतुर्वेदी और ईशान खट्टर के साथ फोन भूत में भी नजर आएंगी.

हीमोग्लोबिन काउंट में गिरावट के बाद एक्टर सौमित्र चटर्जी को चढ़ाया गया रक्त

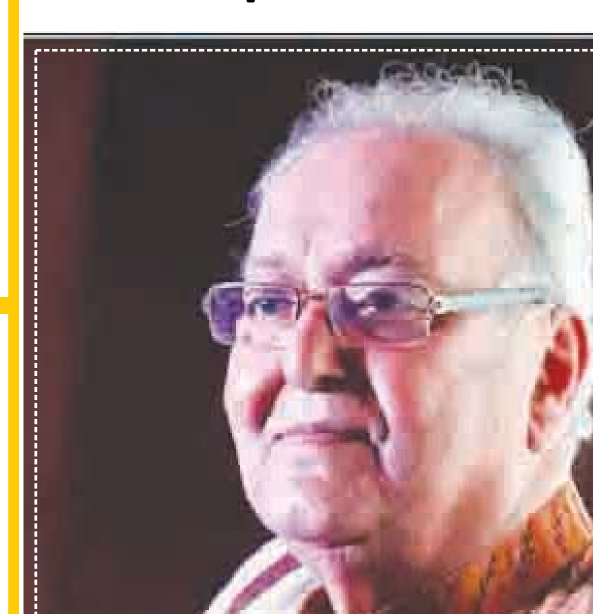

बांग्ला फिल्मों के दिग्गज एक्टर सौमित्र चटर्जी (Soumitra Chatterjee) को रविवार को उनका हीमोग्लोबिन काउंट थोड़ा कम होने के बाद रक्त चढ़ाया गया. 25 दिन पहले कोविड-19 से संक्रमित पाए जाने के बाद से एक्टर का कोलकाता के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है.

उनका इलाज कर रहे डॉक्टरों में से एक ने कहा कि 85 वर्षीय एक्टर का हीमोग्लोबिन आंतरिक रक्तस्राव के कारण गिर गया था, जो अब रक्त चढ़ाने के बाद स्थिर हो रहा है, जबकि डॉक्टर उन्हें एक और डायलिसिस देने पर विचार कर रहे हैं. बुधवार से यह तीसरा डायलिसिस होगा.

पिछले सप्ताह से वेंटिलेटर पर हैं सौमित्र

डॉक्टर ने कहा, 'हालांकि उनका हीमोग्लोबिन आंतरिक रक्तस्राव से गिरा, जो अब थोड़ा ठीक हो गया है. उनके प्लेटलेट्स बढ़ गए हैं, उन्हें खून चढ़ाया गया है. उनका हीमोग्लोबिन भी अब स्थिर हो रहा है.' उन्होंने कहा, 'चूंकि रक्तस्राव के कारण स्वास्थ्य संबंधी कुछ हल्के परिवर्तन हुए हैं, इसलिए हम उन्हें रविवार को डायलिसिस दे सकते हैं.' दिग्गज एक्टर पिछले सप्ताह से वेंटिलेटर पर हैं.डॉक्टरों ने 30 अक्टूबर को संवाददाताओं को बताया था कि, 'पिछले तीन दिनों की तुलना में उनकी हालत स्थिर है, इसलिए 30 अक्टूबर को उनका डायलिसिस नहीं करने का फैसला किया गया था. उनकी स्थिति के आकलन के बाद हम इस बारे में आगे विचार करने का फैसला किया गया था. 'गौरतलब है कि चटर्जी को 6 अक्टूबर को कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया जिसके बाद से उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है. बाद में उनकी जांच रिपोर्ट निगेटिव आई, लेकिन स्वास्थ्य संबंधी कई अन्य जटिलताएं पैदा हो गईं.

दिल्ली में पत्नी गौरी को भाभी कहते हैं शाहरुख खान, जानें क्यों

शाहरुख खान बॉलीवुड के बादशाह बनने से पहले दिल्ली में रहा करते थे। बता दें कि शाहरुख जब भी दिल्ली में गौरी खान के साथ होते हैं तो उन्हें भाभी कहते हैं। दरअसल, कपिल शर्मा शो के एक एपिसोड के दौरान शाहरुख ने दिल्ली के एक किस्से के बारे में बताया था जब कुछ राउड़ी लड़कों ने उनकी पिटाई कर दी थी। शाहरुख ने कहा, 'मैं ग्रीन पार्क में था। मैंने एक गर्लफ्रेंड बनाई थी नई-नई। गर्लफ्रेंड क्या थी मतलब हम ऐसे ही साथ घूमते थे। एक दिन वह ऐसै ही मेरे साथ घूम रही थी। तभी कुछ गुंडे टाइप लड़के आए। उनमें से एक ने मुझे रोका और कहा कि यह कौन है मैंने बोल दिया मेरी गर्लफ्रेंड है। उस लड़के ने कहा कि गर्लफ्रेंड नहीं है, तेरी भाभी है। मैं बोलता रहा कि मेरी गर्लफ्रेंड है लेकिन उसने मेरी बात नहीं सुनी।

शाहरुख ने आगे कहा था,एक के हाथ में कुल्हड़ था और उसने मेरे मुंह पर कुल्हड़ मार दिया। अब ये जमाना आ गया है कि मैं बीवी के साथ भी दिल्ली में निकलता हूं और कोई पूछता है कि कौन है तो मैं कहता हूं मेरी भाभी है। बता दें कि शाहरुख ने गौरी से शादी करने के लिए काफी पापड़ बेले थे। किंग ऑफ बॉलीवुड बुक में अनुपमा चोपड़ा ने शाहरुख और गौरी के बारे में कुछ दिलचस्प बातें बताई थीं।

बुक में लिखा है कि गौरी के पिता को शाहरुख के धर्म से नहीं बल्कि उनके एक्टिंग से दिक्कत थी। वहीं गौरी की मां को भले ही स्क्रीन पर शाहरुख को देखना पसंद था, लेकिन वह उन्हें दामाद के रूप में नहीं देखना चाहती थीं। उन्होंने तो ज्योतिषी से भी सलाह ली थी कि कैसे दोनों का रिश्ता तोड़ा जाए, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। वहीं गौरी के भाई विक्रांत को भी उनकी बहन का शाहरुख के साथ रिश्ता पसंद नहीं था। विक्रांत ने तो शाहरुख को बंदूक से भी डराया था। बता दें कि शाहरुख और गौरी ने 25 अक्टूबर 1991 को शादी की थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत की सीमा के नजदीक रेल चालने की तैयारी में चीन, सिचुआन-तिब्बत रेलवे के यान-लिंझी खंड का शुरू करेगा निर्माण

बीजिंग। चीन अब भारत की सीमा के नजदीक रेल चलाने की तैयारी में है। चीन दक्षिण पश्चिमी सिचुआन प्रांत के यान और तिब्बत के लिंझी के बीच रणनीतिक महत्व के सिचुआन-तिब्बत रेल मार्ग का निर्माण शुरू करने वाला है। आधिकारिक मीडिया ने यह जानकारी दी। लिंझी को नयींगशी के नाम से भी जाना जाता है और अरुणाचल प्रदेश सीमा के नजदीक स्थित है। लिंझी में एक हवाईअड्डा भी है, जो हिमालयी क्षेत्र में चीन द्वारा बनाए गए पांच हवाईअड्डों में शामिल है। चाइना रेलवे ने दो सुरंग और एक पुल के निर्माण कार्य और शिचुआन-तिब्बत रेलवे के यान-लिंझी खंड के लिए बिजली आपूर्ति के लिए शनिवार को निविदा के परिणाम घोषित किए। इससे संकेत मिलता है कि परियोजना का निर्माण कार्य शुरू होने वाला है। सरकारी चाइना न्यूज की खबर के मुताबिक चिंघाई-तिब्बत रेलवे के बाद, सिचुआन-तिब्बत रेलवे तिब्बत में ऐसी दूसरी परियोजना है।

कोरोना को गंभीरता से नहीं लिया : ओबामा

ट्रंप का ध्यान अपने अहम की तुष्टि पर ही केंद्रित रहा

एजेंसी,पिट्सबर्ग। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर आरोप लगाया कि उनका ध्यान अपने अहम की तुष्टि पर ही केन्द्रित रहा और उन्होंने कोरोना वायरस संक्रमण के संकट को गंभीरता से नहीं लिया जबकि दूसरी तरफ उनके डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी जो बाइडेन कोरोना वायरस महामारी को गंभीरता से लेते हैं।

ओबामा ने डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बाइडेन के पक्ष में मिशिगन में शनिवार को चुनाव प्रचार करते हुए कहा कि पिछले चार वर्ष में ट्रंप ने अपने सिवाए किसी और देशवासी की मदद में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। उन्होंने कहा, ''राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ध्यान अपने अहम की तुष्टि पर ही केन्द्रित है, वहीं डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति पद के

उम्मीदवार बाइडेन का ध्यान शालीनता और सहानुभूति पर है।

देश के 44वें राष्ट्रपति रहे ओबामा ने ट्रंप की नीतियों को लेकर उनकी जमकर आलोचना की। ओबामा ने कहा, उन्होंने काम करने में या किसी की मदद करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई, सिवाए अपने, या अपने दोस्तों के और राष्ट्रपति पद को एक रियलिटी शो से ज्यादा कुछ नहीं माना ,जो उनकी ओर सबका ध्यान आकर्षित करे लेकिन दुर्भाग्य से हम बाकी लोगों को अंजाम भुगतना पड़ रहा है। ओबामा के साथ मिशिगन में फ्लिंट और डेट्रायट की रैलियों में बाइडेन भी मौजूद थे।

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, मैं आपको बता सकता हूं कि आप जो हैं उसे राष्ट्रपति पद बदल नहीं सकता। यह दर्शाता है कि आप क्या हैं। यह खुलासा करता है कि आप कौन हैं। आठ वर्षों तक बाइडेन ऐसे व्यक्ति रहे जोकि मेरे हर बड़े फैसले के दौरान मौजूद रहे।

ओबामा ने बाइडेन की तारीफ करते हुए कहा, बाइडेन मेरे भाई हैं, वह मेरे प्रिय हैं।

वह शानदार राष्ट्रपति साबित होंगे और वह सभी के साथ शालीनता और आदर से पेश आते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बाइडेन ने मुझे एक बेहतर राष्ट्रपति बनाया।

ओबामा ने कहा, उनके (बाइडेन) पास हमें एक बेहतर देश बनाने के लिए अनुभव है। वह और कमला (हैरिस) सिर्फ अपने लिए नहीं बल्कि हम सभी के लिए मुकाबला करने जा रहे हैं।

हालांकि, हम निश्चित रूप से अपने वर्तमान राष्ट्रपति के बारे में ऐसा नहीं कह सकते। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप व्हाइट हाउस में एक रियेलिटी शो चला रहे हैं।

ट्रंप ने संक्रामक रोग विशेषज्ञ को बर्खास्त करने का संकेत दिया

एजेंसी, नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि वह मंगलवार को होने वाले चुनाव के बाद डॉ एंटोनी फौसी को बर्खास्त कर सकते हैं। ट्रंप और देश के शीर्ष संक्रामक रोग विशेषज्ञ के बीच दरार गहरी होती जा रही है। वहीं अमेरिका कोरोना वायरस से जूझ रहा है। फ्लोरिडा के ओपा-लोका में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ट्रंप ने इस बात पर हताशा जताई कि संक्रमण के मामलों में वृद्धि का खबरों में अब भी प्रमुख स्थान है। इसके बाद राष्ट्रपति के समर्थकों ने फौसी को बर्खास्त करो के नारे लगाने शुरू कर दिए।

सोमवार रात को ट्रंप ने हजारों समर्थकों को जवाब दिया, किसी से कहिएगा नहीं, लेकिन चुनाव के बाद तक मुझे थोड़ा इंतजार करने दीजिए। उन्होंने कहा कि वह अपने समर्थकों की सलाह को सराहते हैं। गौरतलब है कि ट्रंप ने पहले कहा था कि वह चुनाव से पहले लोकप्रिय और सम्मानित डॉक्टर को बर्खास्त करने के राजनीतिक नुकसान को लेकर चिंतित हैं।

इस्लाम निंदक फेसबुक पोस्ट की अफवाह पर बांग्लादेश में हिंदू परिवारों पर हमला

एजेंसी, ढाका। बांग्लादेश में कथित रूप से इस्लाम की निंदा संबंधी फेसबुक पोस्ट की अफवाह के चलते कोमिला जिले में कुछ कट्टरपंथियों ने कई हिंदू परिवारों के घरों में तोड़फोड़ की और उनमें आग लगा दी। मीडिया ने सोमवार को यह खबर दी। बीडीन्यूज 24 डॉट कॉम ने खबर दी कि रविवार को इन घरों में तोड़फोड़ की गयी और उनमें आग लगा दी गई। इस घटना से पहले फ्रांस में रहने वाले एक बांग्लादेशी व्यक्ति ने अमानवीय विचाराधारा के खिलाफ कदम उठाने के लिए फ्रांसीसी राष्ट्रपति एमैनुअल मैक्रों की कथित रूप से प्रशंसा की थी। मैक्रों ने पैगंबर मोहम्मद के कार्टून को दिखाने पर पेरिस में एक शिक्षक का सिर कलम कर दिए जाने पर कड़े कदम उठाए हैं। खबर के अनुसार, पूर्बो धौर के बाल विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने पोस्ट पर टिप्पणी में मैक्रों की कार्रवाई का स्वागत किया था। फेसबुक पोस्ट के बारे में अफवाह फैलने पर शनिवार को इलाके में तनाव छा गया। इस खबर में बांगरा बाजार थाने के प्रभारी अधिकारी कमरुजम्मां के हवाले से बताया गया है कि पुलिस ने धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उनमें बाल विद्यालय का प्रधानाध्यापक और समीप के अंडकोट गांव का एक बाशिंदा शामिल हैं। जिले के उपायुक्त मोहम्मद अदुल फजल मीर ने इलाके का दौरा करने के बाद बीडीन्यूज 24 डॉट कॉम से कहा, अब स्थिति नियंत्रण में है। उपायुक्त ने बताया कि स्थानीय लोगों ने गिरफ्तार किए गए दोनों व्यक्तियों समेत कई अन्य लोगों के घरों पर हमला किया। जब उनसे पूछा गया कि प्रशासन ने हमलावरों के खिलाफ क्या कदम उठाए हैं तो उन्होंने कहा कि प्रशासन ने कार्रवाई की है। कमरुजम्मां ने बताया कि हमले को लेकर मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने बताया कि हमलावरों की पहचान के लिए पुलिस वीडियो देखेगी। पैगंबर मोहम्मद के कार्टूनों को लेकर फ्रांस के खिलाफ कई मुस्लिम बहुल देशों में पिछले कुछ समय से प्रदर्शन किया जा रहा है।

फ्रांस में हमले के बाद अब कनाडा में चाकूबाजी

दो की मौत और एक गिरफ्तार; ऑस्ट्रिया में भी नुकसान पहुंचाने की कोशिश

एजेंसी,क्यूबेक सिटी। फ्रांस में शिक्षक की निर्मम हत्या के बाद अब कनाडा के क्यूबेक और ऑस्ट्रिया में हमले की घटना देखने को मिली है। कनाडा के क्यूबेक शहर की पुलिस ने प्रांतीय विधायिका के निकट हैलोवीन दिवस पर चाकू मार कर दो लोगों की हत्या करने और पांच लोगों को घायल करने के संदेह में एक व्यक्ति को रविवार सुबह गिरफ्तार किया है। इससे पहले, प्रांतीय पुलिस ने कहा था कि वह मध्यकालीन परिधान पहने उस व्यक्ति की तलाश कर रही है, जिसने धारदार हथियार से कई लोगों को निशाना बनाया। पुलिस ने कहा कि संदिग्ध की उम्र 25 वर्ष के करीब है। पुलिस ने दो लोगों के मारे जाने और पांच लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। पुलिस ने अभी यह जानकारी नहीं दी है कि हमले के पीछे का कारण क्या है। उन्होंने बताया कि पांचों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया है, लेकिन उनकी स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। पुलिस ने इस इलाके के लोगों से घरों पर ही रहने का अनुरोध किया है। वहीं, ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना के एक गिरजाघर में इस हफ्ते 30 से 50 युवकों के एक समूह ने फर्नीचर को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस को बुलाए जाने के बाद वे सभी भाग गए। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि फ्रांस में हाल ही में एक गिरजाघर पर इस्लामी चरमपंथी हमला हुआ था। 'कूरियर' अखबार की शुक्रवार की खबर के मुताबिक, गुरुवार शाम वियना के फावोरीटन जिले में स्थित सैंट एंटोन गिरजाघर में युवकों के एक समूह ने फर्नीचर को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। जांचकर्ताओं को संदेह है कि तुर्की के युवाओं ने इस घटना को अंजाम दिया होगा और वे सोशल मीडिया के माध्यम से एक-दूरे से जुड़े होंगे। पुलिस ने कहा कि जब युवाओं ने फर्नीचर को नुकसान पहुंचाना शुरू किया तो एक पादरी ने पुलिस को सूचना दी और अधिकारियों के मौके पर पहुंचने से पहले ही वे सभी फरार हो गए। पुलिस ने शनिवार को एक बयान में कहा कि इस घटना में किसी तरह की क्षति नहीं हुई और किसी के चोट नहीं आई है। स्थानीय खुफिया एजेंसी मामले की जांच में जुट गई है। ऑस्ट्रिया के चांसलर सेबस्टियन कुर्ज ने शुक्रवार रात ट्वीट किया, ऑस्ट्रिया में सभी ईसाई स्वतंत्रतापूर्वक एवं सुरक्षित तरीके से अपना धार्मिक आचरण कर सकेंगे। हम 'राजनीतिक इस्लाम' के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे। कि फ्रांस में पैगम्बर मोहम्मद का कॉर्टून दिखाने वाले इतिहास के शिक्षक की निर्मम हत्या के बाद राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने इस्लाम को लेकर एक विवादास्पद बयान दिया था जिसके बाद दुनियाभर के कई देशों के मुसलमान उनका विरोध कर रहे हैं।

फ्रांस के राष्ट्रपति ने मुसलमानों से कहा- कार्टून नहीं हो सकता है हिंसा का बहाना, नहीं किया जाएगा बर्दाश्त

रॉयटर्स, पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपत इमैनुएल मैक्रों ने शनिवार को कहा कि वह पैगंबर मोहम्मद के कार्टून से क्षुब्ध मुसलमानों का सम्मान करते हैं लेकिन यह हिंसा के लिए बहाना नहीं हो सकता है। फ्रांस के राष्ट्रपति ने पैगंबर मोहम्मद के कार्टून से उपजे विवाद के बीच फ्रांस में पहले शिक्षक पैटी और फिर नीस के चर्च में तीन लोगों की हत्या के बाद ये बातें कही हैं। इसके अलावा इस्लामिक देशों ने मैक्रों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इस बीच फ्रांस में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। फ्रांस के इरादों को लेकर इस्लामिक देशों में बनी गलतफहमी को दूर करने के प्रयास के तहत मैक्रों ने अरबी टेलिविजन नेटवर्क अल जजीरा को इंटरव्यू दिया है, जिसे शनिवार को प्रसारित किया गया। मैक्रों ने कहा कि फ्रांस हिंसा के सामने नहीं झुकेगा और कार्टून के प्रकाशन सहित स्वतंत्र अभिव्यक्ति के अधिकार का बचाव करेगा। हालांकि, उन्होंने यह भी जोर देकर कहा कि इसका मतलब यह नहीं कि वह या उनके अधिकारी कार्टून का समर्थन करते हैं, जिसे मुस्लिम ईशनिंदा समझते हैं, या फ्रांस किसी भी तरह से एंटी मुस्लिम है।

भारी विरोध प्रदर्शनों के बीच इमरान खान की नापाक हरकत

गिलगित-बाल्टिस्तान को दिया अस्थायी प्रांत का दर्जा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने रविवार को गिलगित-बाल्टिस्तान को अस्थायी प्रांत का दर्जा देने का ऐलान किया है। उन्होंने यह घोषणा उस दौरान की, जब गिलगित-बाल्टिस्तान में लोग इमरान सरकार के इस कदम का विरोध करते हुए प्रदर्शन कर रहे हैं। इमरान खान ने अस्थायी प्रांत का ऐलान करते हुए कहा, ''मेरे गिलगित-बाल्टिस्तान आने के पीछे की वजहों में से एक यह ऐलान करना है कि हमने गिलगित-बाल्टिस्तान को अस्थायी प्रांत बनाने का निर्णय किया है।'' पाकिस्तान का ऐलान सऊदी अरब के उस कदम के बाद आया है, जब हाल ही में उन्होंने पाकिस्तान के मैप से गिलगित-बाल्टिस्तान को हटा दिया था। बीते लंबे समय से पाकिस्तान की इमरान सरकार के खिलाफ गिलगिल-बाल्टिस्तान के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन होते रहे हैं। लोग इमरान सरकार का जमकर विरोध करते हैं। ऐसे में विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तानी सरकार के इस फैसले के बाद स्थानीय स्तर पर विरोध प्रदर्शन और बड़े स्तर पर भड़क सकते हैं। इससे पहले, 8 अक्टूबर को पीओके के मुजफ्फराबाद शहर में जम्मू-

कश्मीर लिबरेशन फ्रंट और स्टूडेंट लिबरेशन फ्रंट ने सरकार के गिलगिल-बाल्टिस्तान के संभावित फैसले के खिलाफ जमकर विरोध किया था। इस दौरान, इमरान खान के खिलाफ खूब नारेबाजी भी हुई थी। पॉलिटिकल एक्टिविस्ट्स का कहना है कि वे बलिदान देने को तैयार हैं, लेकिन पाकिस्तान को क्षेत्र की स्थिति में बदलाव नहीं करने देंगे। गिलगित-बाल्टिस्तान के वे लोग, जो दूसरे शहरों में रह रहे हैं, उन्होंने भी इस्लामबाद के फैसले के खिलाफ सड़क पर उतरने का फैसला लिया है। बता दें कि गिलगित-बाल्टिस्तान, जिसे पहले उत्तरी क्षेत्रों के रूप में जाना जाता था, उसे 'गिलगित-बाल्टिस्तान सशक्तीकरण और 2009 के स्व-शासन आदेश' द्वारा शासित किया गया है। इस क्षेत्र में चुनाव उस आदेश के तहत हुए हैं जो केवल सीमित स्वायत्तता प्रदान करता है।

ब्रिटेन में नहीं घटी कोरोना संक्रमण दर तो जरूरत पड़ने पर बढ़ेगा लॉकडाउन

एजेंसी, नई दिल्ली। ब्रिटेन में कोरोना वायरस (कोविड-19) के मामले कम नहीं होने पर लॉकडाउन की अवधि बढ़ाई जा सकती है।

ब्रिटिश कैबिनेट कायार्लय मंत्री माइकल गोवे ने रविवार को कहा कि देश में अगर कोरोना वायरस के संक्रमण की दर पयार्प्त रूप से कम नहीं होती हे तो एक महीने के लॉकडाउन का विस्तार किया जा सकता है। ब्रिटेन में लॉकडाउन गुरुवार से लगाया जा रहा है और यह दो दिसंबर तक रहेगा।

गोवे का यह बयान प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के उस बयान के बाद आया है जिसमे उन्होंने शनिवार को डाउनिंग स्ट्रीट से संवाददाता सम्मेलन में देश में दो दिसंबर तक लॉकडाउन लगाने की घोषणा की थी। ब्रिटेन में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 23,254 नये मामलों की पुष्टि होने के

बाद देश में कोरोना से संक्रमित लोगों की संख्या 10,34,914 पर पहुंच गई। इस दौरान कोविड-19 के 162 मरीजों की मौत होने से इस महामारी से मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 46,717 हो गयी है। लॉकडाउन के नये प्रतिबंधों के तहत, लोगों को घर में ही रहना होगा। हालांकि, कुछ मामलों में जैसे काम, शिक्षा और व्यायाम के लिए घर से बाहर जाने की छूट दी गई है। लोगों को खाने-पीने की चीजें खरीदने के लिए अपने घरों से बाहर जाने की अनुमति होगी। इस वर्ष की शुरुआत में ब्रिटेन में लागू लॉकडाउन के विपरीत इस बार स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी खुली रहेंगी जबकि पब, बार और रेस्तरां बंद रहेंगे। साथ ही लग्जरी और मनोरंजन से जुड़े सभी स्थल और गैर-जरूरी दुकानें भी बंद रहेंगी।

इस बीच, ब्रिटेन की सरकार के वैज्ञानिक सलाहकार समूह ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में अप्रैल महीने की तरह कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ सकते हैं। गौरतलब है कि रूस, फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी और स्पेन समेत कई अन्य यूरोपीय देशों में पिछले कुछ दिनों से कोरोना संक्रमण के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। यह सभी देश जल्द से जल्द कोरोना वैक्सीन विकसित करने की कोशिश कर रहे हैं।

कोरोना संक्रमित के संपर्क में आए WHO के महानिदेशक, बोले- कोई भी लक्षण नहीं दिख रहा

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस एडनोम घेबियस ने रविवार को कहा कि उन्हें किसी ऐसे व्यक्ति के संपर्क के रूप में पहचाना गया, जिसका कोविड-19 टेस्ट पॉजिटुल आया था। लेकिन उन्होंने कहा कि वह अच्छा महसूस कर रहे थे और उनके अंदर कोरोना के कोई

लक्षण नहीं थे। टेड्रोस ने एक ट्वीट में कहा, मुझे किसी ऐसे व्यक्ति के संपर्क के रूप में पहचाना गया है जो कि कोरोन पॉजिटिव पाया गया है। मैं अच्छी तरह से और बिना लक्षणों के हूं, लेकिन आने वाले दिनों के लिए मैंने खुद को क्वारंटाइन कर लिया है और घर से काम करूंगा। कोरोना देश और दुनिया से खत्म होने का नाम ही नहीं रहा। रविवार को आंकड़ों का बात करें तो 46,964 नए COVID-19 संक्रमण के साथ, भारत में कुल मामले 81,84,083 हो गए हैं। इसके अलावा 470 नई मौतों के साथ मरने वालों का कुल आंकड़ा 1,22,111 हो गया है। कुल सक्रिय और ठीक हो चुके मामले क्रमशः 5,70,458 और 74,91,513 हैं। आज लगातार तीसरे दिन कोरोना पीड़ितों के दैनिक आंकड़ों में कमी आई है। इससे पहले शनिवार को 48,268 नए मामले सामने आए थे जबकि शुक्रवार को 48,648 नए मामले देखने को मिले थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कैसे पाएं मनचाहा वेतन

नौकरी की तलाश में दिए जा रहे इंटरव्यू के दौरान वेतन पर बात करना एक बेहद कठिन प्रक्रिया होती है। प्रत्याशी को अपनी जरूरतों के पहाड़ के सामने बड़ी से बड़ी राशि भी छोटी लगती है तो साक्षात्कारकर्ता इस बारे में संस्थान के हितों को सबसे ऊपर रखता है। तो कैसे हो वेतन पर बात! इससे जुड़े कुछ जरूरी पक्ष बते

नौकरी की तलाश के दौरान दिए जाने वाले इंटरव्यू अपने आप में काफी मेहनत मांगते हैं। इंटरव्यू की समूची प्रक्रिया एक मनोवैज्ञानिक आकलन भी होता है, जिसमें कोई भी कुशल इंटरव्यूअर अपने प्रश्नों के जवाब में प्रत्याशी के हुनर के साथ-साथ उसकी महत्वाकांक्षाओं का भी अंदाजा लेता है। प्रत्याशी कितना वेतन चाहता है, इस बारे में जानना इंटरव्यूअर के लिए बहुत जरूरी होता है। दरअसल इंटरव्यू की प्रक्रिया को एक ओर तो कुछ हद तक मैत्रीपूर्ण प्रक्रिया कहा जा सकता है तो दूसरी तरफ यह एक बेहद कठोर प्रक्रिया भी हो सकती है, जिस दौरान दोनों पक्षों के बीच कई बार पासों का खेल भी खेला जाता है।

लिहाजा इंटरव्यू के दौरान वेतन के बारे में पूछे जाने वाले किसी सवाल का जवाब 'मैं नहीं बताना चाहता' जैसे भाव का भी हो सकता है, वहीं दूसरी ओर वेतन से जुड़े सवाल के जवाब में चुप रहना भी इंटरव्यू की शिष्टता के खिलाफ जाता है। दरअसल सच यह है कि वेतन के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में जो व्यक्ति पहले अपनी पसंद की रकम बताता है, वह इस मुद्दे की शुरुआत करता है, जिस पर बाद में खींचतान हो सकती है, लेकिन यदि प्रत्याशी अपनी पसंद की राशि बताता है तो देखा गया है कि अक्सर वह नुकसान में रहता है। इसलिए बेहतर यही होगा कि इस मुद्दे पर गेंद इंटरव्यूअर के पाले में डाल दी जाए।

प्रत्याशी को खुद वेतन की राशि बताने का नुकसान होता है तो इसके विपरीत यदि वह इंटरव्यूअर पर इसका दारोमदार छोड़ देता है तो उसे अपने पद के लिए वेतनमान की सीमाओं का भी पता लगता है और मैनेजर के बताने पर वह उस श्रेणी के अंतिम सिरे का भी अनुमान लगा सकता है। तो यदि इंटरव्यू के दौरान आमने-सामने दो कुशल पक्ष बैठे हों तो यह देखना रोचक होता है कि वेतन से जुड़ी रकम का जिक्र पहले कौन करेगा। हालांकि यह सच है कि कोई भी कंपनी नौकरी की पेशकश बिना वेतन के नहीं करती, इसलिए प्रत्याशी स्थितियां अपने पक्ष में आने तक प्रयास करता रह सकता है।

इसलिए सवाल-जवाब के इस दौर में प्रत्याशी जब तक इस सवाल के जवाब को टाले रहता है, उसे अपनी ओर से वेतन की राशि बताने की जरूरत नहीं रहती। यह तथ्य उन परिस्थितियों में भी कारगर रहता है, जहां प्रत्याशी अपेक्षाकृत निचले पायदान पर हो और उसे नौकरी की सख्त जरूरत हो। यहां जानिए उन सवाल-जवाबों के बारे में, जो इंटरव्यू में प्रत्याशी से उसकी वेतन से जुड़ी अपेक्षाओं के मामले में पूछे जाते हैं।

अपेक्षित वेतन की जानकारी क्यों नहीं देना चाहते ?

यह प्रश्न तब सामने आएगा, जब प्रत्याशी इंटरव्यूअर के पिछले प्रश्नों से जूझ चुका होगा। इस सवाल के जवाब में वह कह सकता है कि इंटरव्यूअर उसके पद से जुड़ी कंपनी की पॉलिसी से अच्छी तरह वाकिफ है और वही सूचना वह भी जानना चाहता है। बेशक इसके बाद कुछ कहना उचित नहीं होगा और आप अपनी जमीन पर डटे रहे तो इंटरव्यू का यह पक्ष आपके खाते में गया।

हालांकि साक्षात्कारकर्ता अपनी ओर से कुछ ऐसे प्रश्न भी रख सकता है, जो भावनात्मक तौर पर तकलीफदेह हो सकते हैं, जैसे क्या आप अपने पिछले वेतन से कम पर काम करना चाहेंगे? इसके जवाब में प्रत्याशी पद से जुड़ी वेतनमान की सूचना जानने की जरूरत को दोहरा सकता है या कह सकता है कि वह अपने अनुभव के आधार पर मिलने वाले काम के प्रति ज्यादा उत्साहित है, जिसमें पहली प्राथमिकता पैसा नहीं है। वह बड़े परिदृश्य में सोचता है कि उसका अनुभव कंपनी के कितने काम आ सकता है, इसलिए उसमें लचीलापन भी है।

आप किस वेतन रेंज की उम्मीद रखते हैं?

इस प्रश्न के उत्तर में आप कह सकते हैं कि पहले आप जॉब की जरूरतों और संस्थान की आपसे जुड़ी उम्मीदों के बारे में जानना चाहते हैं, ताकि आपको अंदाजा हो सके कि आप कितने वेतन की उम्मीद रखते हैं। एक कठिन प्रश्न का यह आसान जवाब है, जिसके जरिए आपको वेतन पर विचार करने के लिए कुछ समय तो मिलता ही है, साथ ही अन्य जरूरी जानकारी भी प्राप्त होती है।

आपका पिछला वेतन कितना था ?

एक तरह से यह पिछले ही प्रश्न का बदला हुआ रूप है। इसके जवाब में आप कह सकते हैं कि इस जॉब में आपकी जिम्मेदारी आपकी पिछली जॉब से फर्क होगी, इसलिए आप पहले अपनी जिम्मेदारियों के बारे में जानना चाहेंगे और उसके बाद ही उचित वेतन के आंकड़े पर बात करेंगे। हालांकि पहली बार में इस तरह का जवाब देना कठिन होता है, लेकिन आप इस तरह से इंटरव्यूअर की नजरों में आदर के पात्र बनते हैं।

अब कितने वेतन की उम्मीद रखते हैं?

यह प्रश्न भी ऊपरी प्रश्नों की ही श्रेणी में आता है। आप यहां कह सकते हैं कि आपकी पहली प्राथमिकता ऐसी नौकरी प्राप्त करना है, जो आपके लिए उचित हो। साथ ही आप कह सकते हैं कि आपको उम्मीद है कि यहां मिलने वाला वेतन जॉब मार्केट के मानकों के अनुकूल ही होगा। दूसरे शब्दों में इस जवाब का मतलब है कि आप अपनी क्षमताओं की इज्जत करना जानते हैं और उसी आधार पर कंपनी के नियमों पर भी पूरा भरोसा करते हैं।

नौकरी ऑफर का आधार क्या ?

यह बेशक कुछ कठिन सवाल है, लेकिन प्रत्याशी इसके जवाब में उस पद के लिए कंपनी द्वारा निर्धारित किए गए वेतनमान के बजट की जानकारी प्राप्त करने के लिए कह सकता है। यह बेशक सीधा जवाब होगा, लेकिन इसमें कुछ आदरसूचक शब्दों का प्रयोग करना जरूरी होगा, जिससे इंटरव्यूअर बाद में प्रत्याशी के प्रति सख्त न हो।

वेतन से पहले की बातें

किसी भी जॉब ऑफर से पहले

बेहद तंगी के माहौल में भी पहली जॉब ऑफर को ही स्वीकार कर लेना ठीक नहीं होता, क्योंकि उसके बाद उससे बेहतर ऑफर आने पर आप पसोपेश में पड़ सकते हैं। कई बार पहली अच्छी ऑफर आने के समय दूसरी अच्छी ऑफर शुरुआती दौर में भी होती है। दरअसल, ऐसी परिस्थितियां रोचक भी होती हैं। अपनी प्राथमिकताओं को खुद ही तय करना होता है। जानिए ऐसी ही कुछ परिस्थितियों के बारे में।

सवाल पैसे का

अधिकांश लोगों के लिए उनकी वित्तीय स्थिति जॉब सर्च से जुड़े उनके प्रयासों पर सीधा असर डालती है। यदि आपके साथ ऐसा नहीं है तो आप खुद को भाग्यशाली समझ सकते हैं। किसी भी जॉब को प्राप्त करने से पहले उसके दो वित्तीय पक्षों के बारे में सोच सकते हैं:

1. यदि आप किसी कम रोचक जॉब ऑफर और अपनी पसंद की जॉब के इंतजार के बीच में झूल रहे हैं तो इसका फैसला सबसे पहले अपने वित्तीय पक्ष के आधार पर करें। यदि आपकी वित्तीय हालत ठीक है तो आप इंतजार कर सकते हैं। यदि नहीं, तो आपका फैसला तुरंत होना चाहिए। यह ठीक होगा या नहीं, बहस से दूर का मुद्दा है। यह फैसला सिर्फ आपका होगा कि आपको पैसा जल्दी चाहिए या नहीं।

2. प्रत्येक जॉब ऑफर में आपको सोचना होगा कि प्रस्तावित वेतन आपके अनुसार है या नहीं। इसके साथ ही वहां की कार्यस्थितियां भी आपके कितने अनुकूल होंगी, इस पर भी विचार जरूरी है। याद रखें कि वेतन नौकरी से मिलने वाली संतुष्टि का एक हिस्सा ही होता है। उसके अलावा स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े लाभ व अन्य पक्षों पर भी नजर रखिए। हो सकता है भविष्य में उनमें से किसी अतिरिक्त लाभ पर भी आपको अलग से बात करनी पड़े। अपनी पोस्ट के लिए मार्केट में चल रहे वेतनमान से जुड़े शोध अपने स्तर पर कर लें। यह शोध आपको बेहतर डील के लिए मोलभाव करने के लिए उचित आधार देगा। यह भी ध्यान रखें कि मोटे वेतन के लोभ में आप ऐसी किसी नौकरी में न जा फंसें, जो अन्य मामलों में तकलीफदेह हो।

नौकरी के बारे में

क्या आप अपनी नई नौकरी के बारे में सोच कर रोमांचित होते हैं? क्या नई नौकरी में आपकी नई पोजिशन पर आपको काम से जुड़े अपने सारे हुनर दिखाने का मौका मिलेगा? क्या आप कंपनी, उसके उत्पाद/सेवाओं में यकीन रखते हैं और उनमें अपना अंशदान देने को उत्सुक हैं? आपकी भूमिका क्या रहेगी और आप अपने सहकर्मियों के साथ कैसे जुड़ेंगे? क्या काम में लीडरशिप, टाइटल आपके लिए जरूरी हैं? मौजूदा पोजिशन किस हद तक आपकी इन जरूरतों को पूरा कर रही है? यह सभी प्रश्न इंटरव्यू के दौरान या उसके बाद के निकटवर्ती दौर में भी आपके वेतन की शर्तों पर असर डाल सकते हैं।

मैनेजमेंट को समझें

कुछ नौकरियां काम करने से पहले बहुत रोचक लगती हैं, परंतु मैनेजर से मिलने के बाद सारा उत्साह जाता रहता है। एक अच्छा मैनेजर कठिन जॉब को रोचक बना सकता है और बुरा मैनेजर अच्छी जॉब को खराब। तो यह परख लें कि क्या आप अपने मैनेजर के अधीन काम करना चाहते हैं और क्या वह अपनी टीम के प्रति सम्मान का भाव रखता है! यह जानना भी जरूरी है कि उसकी इंडस्ट्री में छवि कैसी है। क्या उसकी प्राथमिकताओं के साथ आपकी काबिलियत मेल खाती है और क्या उसकी महत्वाकांक्षाएं जायज हैं? जाहिर है, आपको अपना मनचाहा वेतन तभी पसंद आएगा, जब कार्यस्थल का माहौल आपके अनुरूप होगा।

परिवेश

काम शुरू करने से पहले किसी स्थान के बारे में आकलन कर पाना कठिन होता है। इसके बावजूद अपने कुछ प्रश्नों के आधार पर आप इस बारे में कुछ अंदाजा लगा सकते हैं। इस दिशा में एक प्रश्न हो सकता है कि क्या कंपनी के मूल्य आपके मूल्यों से मेल खाते हैं? यह भी कि कंपनी के शीर्ष अधिकारी किन मुद्दों को प्राथमिकता देते हैं और क्या वह आपकी प्राथमिकताओं से मिलती हैं? क्या कंपनी प्रशिक्षण पर भी जोर देती है? यह जानना भी जरूरी होता है कि कंपनी में काम कर चुके व्यक्ति आज इंडस्ट्री में कहां और किस मुकाम पर हैं। इन सब बातों के आधार पर आप वहां के परिवेश में अपने भावी स्थान का अंदाजा लगा सकते हैं।

बेकिंग स्पेशलिस्ट बनाएं उज्ज्वल भविष्य

बेकिंग दुनिया के सबसे पुराने व्यवसायों में से एक है। लेकिन समय के साथ इसका स्वरूप व तकनीक में काफी परिवर्तन आया है । आजकल पूरी दुनिया में लोग बेक की हुई चीजों का बहुत बड़े स्तर पर प्रयोग करते हैं। ऐसे में एक प्रोफेशनल बेकर की डिमांड भी काफी बढ़ी है। यदि आपको भी खाना बनाना पसंद है तो आप एक बेकर के रूप में अपना उज्ज्वल भविष्य देख सकते हैं

एक बेकर के लिए बेहद जरूरी है कि उसे भोजन व उससे संबंधित सामग्री से बेहद प्यार हो। इसके अतिरिक्त वह बेकरी प्रॉडक्ट्स और उसकी सामग्री से परिचित हो। उसे सिर्फ खाना पकाना ही नहीं आता हो बल्कि अपनी क्रिएटिविटी के बलबूते वह उसे एक नया रूप देने में सक्षम हो। साथ ही एक अच्छी प्रेजेंटेशन खाने को और भी अधिक लाजवाब बनाती है, इसलिए उसमें खाने की प्रस्तुति करने का कौशल भी हो। खाना बनाते समय उसे सिर्फ टेस्ट पर ही ध्यान नहीं देना, बल्कि सेफ्टी व हाइजिन (स्वच्छता) भी उतना ही जरूरी है। उसका शारीरिक रूप में मजबूत होना भी आवश्यक है ताकि वह घंटों खड़े होकर काम कर सके व भारी सामान भी आसानी से उठा सके। एक बेकर तभी सफलता के नए मुकाम हासिल कर सकता है, जब वह अपने ग्राहक को संतुष्ट कर पाए। इसके लिए उसके खाने में जादू के साथ-साथ कम्युनिकेशन स्किल भी बेहतर होनी चाहिए। कड़ी मेहनत के साथ-साथ अच्छा टीमवर्क व मैनेजमेंट स्किल उसकी सफलता की राह आसान करती है।

योग्यता

वैसे तो इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए किसी विशेष योग्यता की आवश्यकता नहीं है, बस आपको बेकिंग, आइसिंग व डेकोरेटिंग की बेसिक जानकारी होनी चाहिए। लेकिन अगर आप चाहें तो अपने स्किल्स में निखार लाने के लिए बेकिंग व कन्फेक्शनरी में शॉर्ट टर्म या डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। इस कोर्स की अवधि 4 से 6 महीने हो सकती है तथा आप 10वीं व 12वीं के बाद यह कोर्स आसानी से कर सकते हैं।

कोर्स

कोर्स के दौरान छात्रों को न्यूट्रिशन, फूड सर्विस, बेकिंग के सिद्धांतों, सेफ्टी व सेनिटेशन, बेकिंग के दौरान काम आने वाली मशीनरी को चलाने आदि के बारे में विस्तार से समझाया जाता है। कोर्स में छात्रों को बेकिंग की बेसिक जानकारी के साथ-साथ एडवांस ट्रेनिंग दी जाती है। इसमें उन्हें इंडस्ट्रियल इक्विपमेंट के जरिए सारी सामग्री को मिक्स करना व बेक करना सिखाया जाता है। इस ट्रेनिंग के जरिए छात्र सिर्फ बेकिंग के दम पर अपना एक उज्ज्वल भविष्य बना सकते हैं।

अवसर

आप इस क्षेत्र में किसी होटल, बेकरी शॉप, केटरर आदि के जरिए कदम रख सकते हैं। वैसे आप बेकरी मैन्युफैक्चरिंग कंपनी के साथ भी जुड़ सकते हैं। यदि आप किसी के साथ जुड़कर काम नहीं करना चाहते तो आप खुद का बेकरी शॉप भी खोल सकते हैं। यदि आपके अंदर बेकिंग का हुनर लाजवाब है तो आप विदेश में भी नौकरी तलाश कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आपकी आय का स्त्रोत सिर्फ आपका हुनर ही है। वैसे प्रारंभ में एक बेकर को दस से पंद्रह हजार आसानी से मिल जाते हैं। वहीं एक अनुभवी बेकर की आमदनी 35000 से 50000 रूपए प्रतिमाह हो सकती है। वहीं यदि आप घर पर ही बेकिंग करते हैं तो आपकी आमदनी आपको मिलने वाले आर्डर पर निर्भर करेगी।

प्रमुख संस्थान

- कुक एंड बेक अकादमी, दिल्ली
- आईआईएमटी कॉलेज ऑफ हो टल मैनेजमेंट एंड केटरिंग टेक्नोलॉजी, उत्तर प्रदेश
- इंस्टीटयूट ऑफ बेकिंग एंड केक आर्ट, बेंगलुरु
- डॉ. अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, पंजाब
- सीटी इंस्टीटयूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, पंजाब
- कॉलेज ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म, गुड़गांव
- मास इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, पुडुचेरी

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

मालेगांव बम धमाके के पीड़ित ने हाई कोर्ट से पुरोहित की याचिका में हस्तक्षेप की मांगी इजाजत

मुंबई। मालेगांव बम धमाके के एक पीड़ित ने बंबई उच्च न्यायालय से मामले के एक आरोपी लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित की उस याचिका में हस्तक्षेप की इजाजत मांगी है जिसमें पुरोहित ने अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों को रद्द करने की मांग की है। न्यायमूर्ति एसएस शिंदे और न्यायमूर्ति एमएस कर्णिक ने मंगलवार को पीड़ित निसार अहमद बिलाल के अधिवक्ता बीए देसाई की दलील सुनी और कहा कि आवेदन पर 25 नवंबर को विस्तार से सुनवाई की जाएगी। पुरोहित की ओर से पेश पूर्व अटॉर्नी जनरल मुकुल रोहतगी ने बिलाल के आवेदन का विरोध किया। रोहतगी ने कहा कि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) दंड प्रक्रिया संहित की धारा 197 के तहत उनके मुवक्किल के खिलाफ अभियोजन चलाने के लिए पूर्व मंजूरी लेने में विफल रही इसलिए पुरोहित अपने खिलाफ आरोपों को खारिज करने की मांग की है। चूंकि याचिका मंजूरी लेने की प्रक्रिया से संबंधित है इसलिए इसमें दखल देने का अधिकार पीड़ित को नहीं है।

भाजपा मेट्रो कार शेड का काम केंद्र सरकार के जरिए रोकने का कर रही प्रयास: नवाब मलिक

मुंबई। महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भाजपा केंद्र सरकार के जरिए मेट्रो कार शेड परियोजना का काम रोकने की साजिश रच रही है, साथ ही उन्होंने कहा कि केंद्र ने महाराष्ट्र के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर कहा है कि कंजुरमार्ग मेट्रो कार शेड वाली भूमि उसकी है। हालांकि, भाजपा विधायक आशीष शेलार ने कहा कि उद्धव ठाकरे नीत सरकार अपने कामकाज को लेकर भ्रम पैदा कर रही है और प्रमुख आधारभूत परियोजनाओं को धीमा कर रही है। ठाकरे ने आरे मेट्रो कार शेड परियोजना को समाप्त करने की पिछले महीने घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि अब यह परियोजना कंजुरमार्ग में सरकारी भूमि पर बनेगी और स्थानांतरण में कोई खर्च नहीं आएगा। इससे पहले देवेंद्र फडणवीस नीत पिछली सरकार ने मेट्रो कार शेड के लिए मुंबई के हरित क्षेत्र आरे कॉलोनी में भूमि चिह्नित की थी। मलिक ने कहा कि उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग ने इस मुद्दे पर राज्य के मुख्य सचिव संजय कुमार को लिखे पत्र में कहा है कि कार शेड परियोजना के लिए भूमि 'गलत तरीके से' आवंटित की गयी है। उन्होंने कहा कि संबंधित भूमि राज्य की है और परियोजना उसी जगह लगाई जाएगी।

दंतेवाड़ा पुलिस के हाथ लगी बड़ी कामयाबी, 10 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा। राज्य के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों के सामने दस नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में से चार 2018 में हुए नीलवाया नक्सली हमले में शामिल थे। इस हमले में तीन पुलिस कर्मियों और दूरदर्शन के कैमरामैन की मृत्यु हो गई थी। दंतेवाड़ा जिले के पुलिस अधीक्षक अभिषेक पल्लव ने बताया कि मंगलवार को क्षेत्र में माओवादी नेताओं की खोखली विचारधारा और हिंसा से परेशान होकर तथा लोन वर्राटू अभियान से प्रभावित होकर 10 नक्सलियों ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल तथा जिला बल के अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। पल्लव ने बताया आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में से पांच पर कुल 10 लाख रुपए का इनाम घोषित है। उन्होंने बताया कि जिले में लोन वर्राटू अभियान के शुरू होने के बाद से लेकर अब तक 187 नक्सलियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। 'लोन वर्राटू' का अर्थ है 'घर वापसी'।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री ने लोगों से इस दिवाली पर पटाखों से परहेज करने की अपील की

नयी दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने मंगलवार को लोगों से जनस्वास्थ्य एवं पर्यावरण के हित में इस दिवाली पर पटाखों से परहेज करने की अपील की। मंत्री ने 'पटाखे विरोधी अभियान' का शुभारंभ किया और सिर्फ हरित पटाखों की बिक्री सुनिश्चित करने के लिए शहर के उन विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किया जहां पटाखे बनाये जाते हैं और बेचे जाते हैं। राय ने संवाददाताओं से कहा, ''उच्चतम न्यायालय के 2018 के आदेश के मुताबिक इस दिवाली दिल्ली में केवल हरित पटाखे ही बनाये, बेचे और इस्तेमाल किये जा सकते हैं। लेकिन मैं सभी से यथासंभव पटाखों से परहेज करने की अपील करता हूं।'' उन्होंने कहा कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति, सभी जिलाधिकारियों और दिल्ली पुलिस को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि केवल 'हरित' पटाखे ही बेचे जाएं। उनके अनुसार प्रवर्तन टीमें यह भी सुनिश्चित करेंगी कि व्यापारी बस अधिकृत विनिर्माताओं से ही हरित पटाखे खरीदें।

पालघर लिंचिंग मामला: विशेष अदालत ने चार आरोपियों को दी जमानत

ठाणे। पालघर भीड़ हत्या मामले में यहां की एक विशेष अदालत ने मंगलवार को चार आरोपियों को जमानत दी जिनमें एक पिता और उसके दो बेटे शामिल हैं। जिला न्यायाधीश पी.पी. जाधव ने चारों आरोपियों को 15,000-15,000 रूपये की जमानत राशि पर रिहा करने का आदेश दिया। इस मामले में करीब 200 लोग गिरफ्तार किए गए थे लेकिन जमानत केवल लक्ष्मण रामजी जाधव (58), नितिन लक्ष्मण जाधव (26), मनोज लक्ष्मण जाधव (25) और तुकाराम रूपजी सेठ (40) को ही मिली। ये सभी गढ़चिंचले गांव के हेदपाड़ा के रहने वाले हैं।

पीएम मोदी ने महागठबंधन पर साधा निशाना, संसद में घटती ताकत के लिए कांग्रेस पर भी कसा तंज

फारबिसगंज। (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को विपक्षी महागठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि इनका एकमात्र सपना लोगों को डराकर, अफवाहें फैलाकर, लोगों को बांटकर किसी भी तरह से सत्ता हथियाना है। साथ ही संसद के दोनों सदनों में घटती ताकत के लिये कांग्रेस का मखौल उड़ाते हुए उन्होंने कहा कि लोग गरीबी उन्मूलन और कृषि ऋण माफी जैसे झूठे वादों के लिये उसे दंडित कर रहे हैं। बिहार के फारबिसगंज और सहरसा में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने ये बातें कहीं। कांग्रेस पर हमला करते हुए उन्होंने कहा, ''झूठ बोलकर कांग्रेस ने देश के लोगों को क्या-क्या सपने दिखाए। याद कीजिए दशकों पहले के दिन, चुनाव से पहले कहते थे गरीबी हटाएंगे, किसान का कर्जा माफ करेंगे, टैक्स कम करेंगे।'' उन्होंने आरोप लगाया कि इतिहास गवाह है, दस्तावेज गवाह हैं कि इन्होंने इसमें से एक भी काम नहीं किया, सिर्फ लोगों को गुमराह किया, जिससे लोग नाराज हो गए। उन्होंने कहा, ''अब जहां भी लोगों को मौका मिलता है वे कांग्रेस को दंडित करते हैं। लोगों के गुस्से की वजह से पार्टी की इतनी खराब हालत हो गई है कि लोकसभा और राज्यसभा को मिला दें, तो भी उसके पास 100 सांसद नहीं हैं।'' उन्होंने कहा कि अनेक राज्यों ने कांग्रेस के एक भी व्यक्ति को लोकसभा और राज्यसभा में नहीं भेजा और उत्तर प्रदेश, बिहार में कांग्रेस तीसरे, चौथे, पांचवें स्थान पर किसी के पीछे लगकर बचने की कोशिश में है। मोदी ने कहा कि इससे स्पष्ट होता है कि देश की जनता इनसे कितनी नाराज है।

गौरतलब है कि भाजपा ने हाल में राज्यसभा की 11 सीटों पर हुए चुनाव में नौ पर जीत दर्ज की, जिसके परिणाम सोमवार को घोषित किये गए। इससे संसद के उच्च सदन में उसके सांसदों की संख्या 92 हो गई है, जबकि कांग्रेस के सांसदों की संख्या महज 38 बची है। कांग्रेस के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि जब संसद के दोनों सदनों को मिलाकर उसके सांसदों की संख्या महज 89 रह गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बिहार में 'जंगलराज' लाने वालों को भारत माता और जय श्रीराम से दिक्कत है और ये एकजुट होकर वोट मांग रहे हैं, ऐसे में प्रदेश के लोगों को इनसे सतर्क रहने की जरूरत है। पूर्ववर्ती राजद सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि 'जंगल राज' चलाने वालों ने एक समय बिहार में मतदान केन्द्र पर कब्जा करने की संस्कृति के जरिए गरीबों के मताधिकार को छीन लिया था लेकिन राजग ने गरीबों को उनका वह अधिकार फिर से दिलाया है।

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने झारखंड 'छात्रवृत्ति' मामले में जांच के दिए आदेश: मुख्तार अब्बास नकवी

नयी दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने झारखंड में प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति वितरण में कथित अनियमितता संबंधी खबर की पृष्ठभूमि में मंगलवार को कहा कि उनके मंत्रालय ने इस मामले की जांच का आदेश दिया है। दरअसल, एक अखबार की खबर में कहा गया है कि झारखंड में प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति में कथित अनियमितता हुई। छात्रवृत्ति छात्रों को या तो मिली ही नहीं अथवा मिली तो उसका सिर्फ कुछ हिस्सा ही उन्हें प्राप्त हुआ। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की ओर से इस छात्रवृत्ति के लिए राशि प्रदान की जाती है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस मामले की जांच का आदेश दिया है। नकवी ने इस बारे में कहा कि इस मामले में जांच का आदेश दे दिया गया है। उनके मुताबिक, छात्रवृत्ति से संबंधित प्रक्रिया बहुत पारदर्शी है और लाभार्थियों को डीबीटी के माध्यम से पैसे भेजे जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रक्रिया का सत्यापन राज्य सरकार द्वारा किया जाता है और इस मामले में झारखंड सरकार जांच कर रही है।

राहुल ने मोदी और नीतीश पर बिहार को लूटने का लगाया आरोप, कहा- वादे नहीं किए पूरे, जनता देगी जवाब

कोरहा। (एजेंसी)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र और बिहार सरकार पर कोरोना वायरस, बेरोजगारी, किसानों एवं छोटे व्यापारियों की समस्याओं से निपटने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि इन दोनों ने मिलकर बिहार को लूटा, वादे पूरे नहीं किये और अब राज्य की जनता इनको जवाब देगी। राहुल गांधी ने दावा किया कि बिहार की जनता ने दोनों को सत्ता से बाहर करने का फैसला कर लिया है और इस बार राज्य में महागठबंधन की सरकार बनेगी। कटिहार में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने केंद्र और प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि लॉकडाउन के दौरान जब लाखों मजदूर हजारों किलोमीटर का सफर पैदल तय करते हुए अपने घर आ रहे थे, तब नीतीश जी और मोदी जी कहां थे? तब मदद नहीं की और अब वोट मांगने आ रहे हैं।

उन्होंने कहा,''कांग्रेस ने प्रवासी मजदूरों की मदद के लिए बसों का इंतजाम किया। हम सत्ता में नहीं थे इसलिए लाखों मजदूरों की मदद नहीं कर सके लेकिन हमने अपनी क्षमता अनुसार ज्यादा से ज्यादा लोगों की मदद की।'' कांग्रेस नेता ने यह भी दावा किया कि प्रधानमंत्री और बिहार के मुख्यमंत्री विकास तथा रोजगार सृजन के वादे को पूरा करने में विफल रहे हैं।

उन्होंने कहा , ''यहां आए युवाओं से मैं पूछना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वादा किया था कि हर साल दो करोड़ युवाओं को रोजगार दूंगा, नीतीश जी ने भी यही कहा था, लेकिन कहां हैं नौकरियां ? आज युवा बेरोजगार क्यों है? किसी ने अपना वादा पूरा नहीं किया।''

उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि किसान हाल ही में लागू किए गए तीन कानूनों को लेकर मोदी से खफा हैं। राहुल ने कहा कि पहले नोटबंदी, फिर जीएसटी और अब किसानों को खत्म करने का कानून बनाया गया। इसलिये इस दशहरे में पंजाब में किसानों ने नरेन्द्र मोदी ,अंबानी, अडाणी(उद्योगपति) का पुतला जलाया। उन्होंने कहा, '' इन कानूनों की सच्चाई पंजाब में सामने आ गई है। और बिहार में भी सामने आ गई है।'' कांग्रेस नेता ने नोटबंदी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इससे गरीब को नुकसान हुआ लेकिन बड़े 'चुनिंदा' कोरपोरेट को फायदा पहुंचा और इसी तरह जीएसटी ने छोटे दुकानदारों को तबाह कर दिया।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने रैली में मौजूद लोगों से पूछा कि क्या उन्हें मक्का का उचित दाम मिल रहा है ? उन्होंने कहा कि देश में मक्का उत्पादन में बिहार की बीस फीसदी भागीदारी है लेकिन ''क्या आपको सही दाम मिलता है ?'' मोदी जी और नीतीश जी ने सही दाम दिलाने के लिए क्या किया? उन्होंने कहा, '' बिहार का हर युवा जानता है कि नरेन्द्र मोदी और नीतीश जी ने मिलकर बिहार को लूटा है। उन्होंने बिहार के छोटे दुकानदारों को तबाह कर दिया। और इसीलिए अब बिहार के युवाओं और किसानों ने महागठबंधन को वोट देने का फैसला किया है।''

उन्होंने लोगों से सवाल किया कि कटिहार में हर साल बाढ़ आती है, हर साल आपको नुकसान होता है लेकिन इस नुकसान से उबरने के लिए मोदी जी और नीतीश जी ने क्या किया? राहुल गांधी ने कहा कि बिहार में गठबंधन की सरकार बनेगी और वह सरकार पूरे बिहार की सरकार होगी। उन्होंने कहा कि महागठबंधन सरकार बनने पर बाढ पर ध्यान देने के साथ साथ मक्का के लिए प्रसंस्करण फैक्ट्री लगायी जायेगी ताकि यहाँ के किसानों को रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में नहीं जाना पड़े।

उत्तर प्रदेश, हरियाणा के बाद कर्नाटक ने भी जाहिर की मंशा, शादी के लिए धर्मांतरण करने पर रोक लगाने के लिए लाया जाएगा कानून

बेंगलुरु। कर्नाटक के पर्यटन मंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सी टी रवि ने मंगलवार को कहा कि राज्य शादी के नाम पर धर्मांतरण करने पर रोक लगाने के लिए कानून लाएगा। उन्होंने कहा कि जब 'जिहादी' राज्य में महिलाओं की इज्जत से

खिलवाड़ कर रहे हैं तो सरकार चुप नहीं बैठेगी। उनका बयान इलाहाबाद उच्च न्यायालय के इस फैसले के कुछ दिन बाद आया है कि शादी के लिए धर्मांतरण करना अवैध है। इससे पूर्व, भाजपा शासित राज्य उत्तर प्रदेश, हरियाणा और मध्य प्रदेश 'लव जिहाद' के खिलाफ कानूनी प्रावधान लाने की अपनी मंशा की घोषणा कर चुके हैं। रवि ने ट्वीट किया, ''इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश की तर्ज पर कर्नाटक शादी के नाम पर धर्मांतरण करने पर प्रतिबंध लगाने के लिए कानून लागू करेगा। जब जिहादी हमारी बहनों की इज्जत से खिलवाड़ कर रहे हैं तो हम चुप नहीं बैठेंगे।'' उन्होंने कहा कि धर्मांतरण के कृत्य में शामिल पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कड़ी एवं त्वरित कार्रवाई की जाएगी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 31 अक्टूबर को अपने आदेश में कहा था कि सिर्फ शादी के लिए धर्म बदलना वैध नहीं है।

कृषि कानून: अमरिंदर सिंह के प्रतिनिधिमंडल को नहीं मिला राष्ट्रपति से मिलने का समय, राजघाट पर देंगे धरना

चंडीगढ़। (एजेंसी)।

पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह कृषि कानून के मुद्दे पर उनके नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा मुलाकात का समय नहीं दिए जाने के बाद बुधवार को दिल्ली स्थित राजघाट पर कांग्रेस विधायकों के 'क्रमिक धरना' का नेतृत्व करेंगे। उल्लेखनीय है कि अमरिंदर सिंह ने केंद्र सरकार द्वारा लागू तीन कृषि कानूनों को निष्प्रभावी करने के लिए पंजाब विधानसभा में पारित विधेयकों को मंजूरी दिलानें की मांग को लेकर बुधवार को राष्ट्रपति से मुलाकात का समय मांगा था। राज्य सरकार ने मंगलवार को बताया कि राष्ट्रपति भवन ने मुलाकात का समय देने से इनकार कर दिया है।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली में प्रदर्शन, केंद्र द्वारा मालगाड़ियों का परिचालन स्थगित किए जाने की वजह से राज्य में उत्पन्न हालात को रेखांकित करेगा। रेलवे ने पंजाब में ट्रेनों का परिचालन यह कहकर रोक दिया है कि कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसान अब भी कुछ पटरियों पर जमे हैं। हालांकि राज्य सरकार का कहना है कि पटरियों पर से अवरोधक हटा लिए गए हैं और मालगाड़ियों कोपरिचालन की अनुमति दी जा रही है। पंजाब सरकार ने कहा कि कोयले की कमी की वजह से राज्य के ताप विद्युत संयंत्र बंद हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में चूंकि धारा 144 लागू है और लोगों के जमा पर होने पर रोक है, इसलिएविधायक चार-चार के समूह में पंजाब भवन से महात्मा गांधी की समाधि राजघाट जाकर 'क्रमिक धरना' देंगे। सिंह ने कहा कि पहला समूह सुबह 10 बजकर 30 मिनट पर राजघाट पहुंचेगा। उन्होंने राज्य के कांग्रेस विधायकों के अलावा पंजाब के अन्य पार्टियों के विधायकों से भी धरना में शामिल होने का आह्वान किया।

हरदीप सिंह पुरी बोले, कुछ देशों ने अब तक भारतीयों के प्रवेश पर से नहीं हटाई रोक

नयी दिल्ली। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि कुछ देशों ने अब तक भारतीयों के प्रवेश पर लगी पाबंदी नहीं हटाई है और केंद्र सरकार इन देशों द्वारा रोक हटाए जाने के बाद

उड़ानों को शुरू करने के लिए तैयार है। उल्लेखनीय है कि ऐसे ही देशों में सऊदी अरब भी शामिल है जिसने कोरोना वायरस की महामारी के चलते विमानन कंपनियों को भारत से यात्रियों को लाने की अनुमति नहीं दी है। पुरी ने ट्विटर पर कहा, '' हम छह मई 2020 सेवंदेभारत मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का परिचालन कर रहे हैं। हालांकि, खाड़ी क्षेत्र के कुछ देशों सहित कुछ देशों ने अब तक भारतीयों के प्रवेश पर लगी रोक नहीं हटाई है।'' उन्होंने कहा, ''जब भी ये देश पाबंदी हटाएंगे हम इन देशों के लिए उड़ान शुरू करने के लिए तैयार हैं।'' उल्लेखनीय है कि 22 अक्टूबर को मंत्री ने कहा था कि केरल और बहरीन के बीच परिचालित की जा रही विशेष उड़ानों में औसत किराया 30,000 से 39,000 के बीच है क्योंकि खाड़ी देश प्रति सप्ताह केवल 750 यात्रियों को ही भारत से आने की अनुमति दे रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत में 23 मार्च से ही कोरोना वायरस महामारी के चलते नियमित अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाएं स्थगित हैं।

कांग्रेस नेता शत्रुघ्न सिन्हा का दावा, तेजस्वी के आलोचक 10 नवंबर को हो जाएंगे 'खामोश'

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मशहूर अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की 'महाविजय' की उम्मीद जताते हुए मंगलवार को कहा कि 10 नवंबर को मतगणना वाले दिन राजद नेता तेजस्वी यादव के आलोचक 'खामोश' हो जाएंगे। सिन्हा ने यह दावा भी किया कि महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी के खिलाफ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की ओर से निजी हमले किए जा रहे हैं क्योंकि 10 लाख नौकरियों के वादे से विरोधी दल पूरी तरह घबराए हुए हैं। उन्होंने कहा, ''दीवार पर लिखी इबारत साफ नजर आ रही है कि हमारे अपने बहुआयामी, चर्चित और लोगों की अकांक्षा एवं आशा बन चुके तेजस्वी यादव की अगुवाई में युवा ब्रिगेड 'बिहार पुत्र' लव सिन्हा जैसी उनकी युवा टीम एवं अन्य के साथ मिलकर बड़ी जीत हासिल कर रही है और सरकार बनाने जा रही है।'' पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा, ''बिहार में महागठबंधन की जीत सुनिश्चित है क्योंकि लोग ऐसा ही चाहते हैं। युवा दिलों की धड़कन राहुल गांधी और तेजस्वी यादव को लेकर जो उत्साह है, मैं तो यही कहूंगा कि यह देखकर आपको जीत का विश्वास हो जाएगा।'' तेजस्वी का अनुभव कम होने संबंधी आलोचना को लेकर सिन्हा ने अपने चित-परिचित अंदाज में कहा कि 10 नवंबर को चुनाव नतीजे आने के बाद उनके आलोचक पूरी तरह 'खामोश' हो जाएंगे। उन्होंने विकास के मुद्दों के बारे में बात नहीं करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने 'कांग्रेस मुक्त भारत' की बात की थी, लेकिन अब 'कांग्रेस युक्त भारत' हो रहा है। सिन्हा के मुताबिक, कांग्रेस देश की आजादी की लड़ाई में सबसे ज्यादा योगदान देने वाली पार्टी है तथा वह 'पुरानी, शानदार, साहसिक और सुंदर' पार्टी भी है और इस बारे में यह कहा जाता है कि 'कांग्रेस मुक्त भारत' बनाया जाएगा, लेकिन 'कांग्रेस युक्त भारत' बन रहा है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मेरे मित्र हैं और प्रधानमंत्री के पद पर होने की वजह से इस देश के अभिभावक हैं। परंतु उन्होंने एक बार भी समस्याओं के समाधान के बारे में बात नहीं की। दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि उन्होंने बिहार से किए एक भी वादे को पूरा नहीं किया।'' सिन्हा ने तेजस्वी यादव के 10 लाख नौकरियों के वादे का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे राजग के लोग घबरा गए हैं। सिन्हा ने तेजस्वी को 'जंगलराज का युवराज' कहने के लिए भी प्रधानमंत्री की आलोचना की और सवाल किया कि अगर प्रधानमंत्री के खिलाफ कोई ऐसी का इस्तेमाल करे तो उन्हें कैसा महसूस होगा?

भारत में कोविड-19 के एक्टिव केस 5.5 लाख से नीचे, 76 लाख से ज्यादा लोग हुए ठीक

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत ने कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में एक और उपलब्धि हासिल की है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 5.5 लाख से नीचे आ गई है जो अबतक संक्रमित हुए मरीजों का महज 6.55 प्रतिशत है जबकि 76 लाख से अधिक लोग ठीक हो चुके हैं। मंत्रालय ने कहा कि उपचाराधीन मरीजों की संख्या में कमी ठीक होने वाले मरीजों की संख्या में तेजी से हुई वृद्धि से संभव हुआ। स्वास्थ्य मंत्रालय ने रेखांकित किया कि अबतक 76,03,121 मरीज ठीक हो चुके हैं जो उपचाराधीन मरीजों के मुकाबले 70,61,716 अधिक हैं। इसके साथ ही देश में कोरोना वायरस से मरीजों के ठीक होने की दर 91.96 प्रतिशत पर पहुंच गई है। मंत्रालय ने कहा कि रोजाना सामने आने वाले नए मामलों की संख्या भी 40 हजार से नीचे आ गई है और मंगलवार को 38,310 और लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई। मंत्रालय ने कहा कि रोजाना बड़ी संख्या में कोविड-19 मरीजों के ठीक होने की वजह से मृत्यु दर में भी लगातार कमी आ रही है। मंत्रालय ने रेखांकित किया कि भारत में तेजी से उपचाराधीन मरीजों की संख्या में कमी आ रही है।

मंत्रालय ने बताया कि गत 24 घंटे में 58,323 कोविड-19 मरीज ठीक हुए हैं जिनमें से 80 प्रतिशत मरीज 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सीमित हैं। महाराष्ट्र में 24 घंटे में सबसे अधिक 10 हजार से अधिक मरीजों ने महामारी को मात दी जबकि 8,000 से अधिक मरीजों के ठीक होने के साथ कर्नाटक दूसरे स्थान पर रहा। मंत्रालय ने बताया कि मंगलवार को सामने आए नए मामलों में 74 प्रतिशत मरीज 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के हैं। नए संक्रमितों के मामले में 4000-4000 से अधिक मरीजों के साथ केरल, दिल्ली और महाराष्ट्र शीर्ष पर रहे जबकि पश्चिम बंगाल में तीन हजार से अधिक मामलों की पुष्टि हुई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि गत 24 घंटे में 490 लोगों की जान महामारी की वजह से गई है जिनमें से 80 प्रतिशत मौतें 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सीमित है। महाराष्ट्र में सबसे अधिक 104 मरीजों की मौत गत 24 घंटे में हुई है। वहीं भारत में कोविड-19 से मृत्युकी दर गिरकर 1.49 प्रतिशत रह गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा मंगलवार सुबह आठ बजे अद्यतन किए गए आंकड़ों के मुताबिक 38,310 नए मामलों के साथ देश में अबतक 82,67,623 लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हो चुकी है जबकि गत 24 घंटे में 460 लोगों की मौत के साथ देश में महामारी से जान गंवाने वालों की संख्या 1,23,097 तक पहुंच गई है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)